सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 316 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 29 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में मानसून : अब तक 867.5 मिमी औसतन वर्षा की गई रिकार्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 867.5 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1256.8 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 429.8 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 734.2 मिमी, बलौदाबाजार में 612.5 मिमी, गरियाबंद में 727.2 मिमी, महासमुंद में 645.4 मिमी और धमतरी में 777.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 831.0 मिमी, मुंगेली में 814.0 मिमी, रायगढ़ में 1019.7 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 700.9 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1014.3 मिमी, सक्ती में 893.8 मिमी, कोरबा में 841.9 मिमी और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 843.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 712.5 मिमी, कबीरधाम में 609.4 मिमी, राजनांदगांव में 783.3 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1089.1 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 652.9 मिमी और बालोद में 936.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 618.4 मिमी, सूरजपुर में 953.3 मिमी, जशपुर में 861.3 मिमी, कोरिया में 981.8 मिमी और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 876.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई है। बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 1247.3 मिमी, कोंडागांव में 801.1 मिमी, कांकेर में 1011.8 मिमी, नारायणपुर में 1085.7 मिमी, दंतेवाड़ा में 1185.1 मिमी, सुकमा में 932.9 मिमी और बीजापुर में 1147.3 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय से गृह राज्य में 41.9 फीसदी लोगों ने बताया बेहतर

रायपुर। इंडिया टुडे-C Voter के Mood of the Nation (MOTN) सर्वे के अनुसार, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कामकाज को गृह राज्य के 41.9 फीसदी लोगों ने अगस्त 2025 में संतुष्ट बताया है। यह आंकड़ा फरवरी 2025 के 39% से बढ़कर आया है। यानी हालिया सर्वे में उन के प्रति संतुष्टि में लगभग 2.9 प्रतिशत अंक की बढ़त दर्ज हुई। बड़े राज्यों के वर्ग में यह दूसरा स्थान है। पहले स्थान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा हैं। बड़े राज्यों के समूह में साय का 41.9त्न अंक दूसरे स्थान की पुष्टि करता है। इससे पता चलता है कि गृह राज्य में उनकी स्वीकार्यता कई अन्य बड़े राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बराबर-ऊपर है।

खेलते-खेलते खेतों में जा पहुंचे बच्चे के लगा करंट, चली गई मासूम की जान

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मरवाही थाना क्षेत्र के करगीकला में एक 6 साल का बच्चा खेतों को मवेशियों से बचाने के लिए लगाए गए झटका करंट की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गया और उसकी मौत हो गई। फ्लिहाल मरवाही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटना मरवाही थाना क्षेत्र के करगीकला ग्राम पंचायत की है जहां पर रहने वाले दिहाड़ी मजदूर ईट लेस सिंह का 6 साल का बच्चा गीत सिंह घर के पास खेल रहा था। उसी समय खेलते खेलते घर के पास स्थित एक खेत के पास निकल गया। जहां पर खेत मालिक ने खेतो में लगे फसलों को मवेशियों से बचाने के लिए खेत के चारो ओर झटका तार लगा रखा था। बच्चा उसकी चपेट में आ गया।

बस्तर में बाढ़ : तीन दिन की मूसलाधार बारिश से आज मिली राहत, सीएम साय ने दक्षिण कोरिया से की समीक्षा

सीएम साय ने कहा- बस्तर बाढ़ प्रभावितों की हर संभव मदद करें सुनिश्चित, अफसरों को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर संभाग में बीते तीन दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के बाद बाढ़ का कहर बरफ है। लगातार बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। शुक्रवार को बस्तर संभाग में स्थिति कुछ सामान्य हुई और शासन प्रशासन का बचाव कार्य जारी है। इधर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी बाढ़ प्रभावित बस्तर की हर मुवमेंट पर नजर रखे हुए हैं। गुरुवार को उन्होंने दक्षिण कोरिया के अपने दौरे के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली और बस्तर में बाढ़ प्रभावितों को हर संभव सहायता मुहैय्या कराने के निर्देश दिए हैं।

बता दें बस्तर संभाग में भारी बारिश व बाढ़ के कारण हालात काफी बिगड़ गए हैं। दंतेवाड़ा जिले में 100 से ज्यादा गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से टूट चुका है। 200 से ज्यादा मकान ढह गए। वहीं 2000 से ज्यादा लोगों को राहत शिविर में शिफ्ट किया गया है। बाढ़ के कारण पांच लोगों की मौत भी हो चुकी है। दरअसल भारी बारिश के कारण दंतेवाड़ा में इंद्रावती नदी का जलस्तर बढ़ गया। इससे लगे शंखनी-डंकनी नदी का पानी का बहाव रुका और आसपास के गांवों में भारी तबाही मच गई। शुक्रवार को स्थिति कुछ हद तक सामान्य हो पाई है। बारिश कुछ कम हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार को बिलासपुर, जीपीएम, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर, जशपुर, सरगुजा और रायगढ़ में

बादल गरजने, बिजली गिरने और आंधी चलने का अलर्ट जारी किया है। अन्य जिलों में मौसम सामान्य रहने की उम्मीद है।

बाढ़ प्रभावित हर घर तक पहुंचाए मदद : सीएम साय

सीएम साय ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा के कलेक्टरों व वरिष्ठ अधिकारियों से राहत एवं पुनर्वास कार्यों की विस्तृत समीक्षा के दौरान दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के प्रत्येक बाढ़ प्रभावित परिवार तक हर संभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों की पीड़ा को शीघ्र कम करना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि लोगों को यह महसूस होना चाहिए कि संकट की इस घड़ी में प्रशासन उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

बिना विलंब के प्रभावितों तक पहुंचाई जाए राहत राशि

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ से हुई जनहानि और पशुहानि प्रभावित परिवारों को राहत राशि बिना विलंब के उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त आवासों के सुधार हेतु तिरपाल, बाँस-बल्ली और राहत राशि का वितरण प्राथमिकता से किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों के प्रभारी सचिव अपने-अपने जिलों का भ्रमण करें और राहत कार्यों का सतत पर्यवेक्षण सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि प्रभावित गाँवों से सड़क संपर्क बहाल करने, क्षतिग्रस्त पुल-पुलियों की मरम्मत और बिजली आपूर्ति पुनर्स्थापना का कार्य युद्धस्तर पर किया जाए। उन्होंने कहा कि बस्तर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की शीघ्र बहाली राहत कार्यों की सफलता की कुंजी है। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह भी उपस्थित थे।

राजस्व सचिव ने दी राहत कार्यों की जानकारी

राजस्व सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले ने मुख्यमंत्री को बस्तर में बाढ़ की स्थिति और अब तक किए गए राहत कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी बाढ़ प्रभावित जिलों को अतिरिक्त राशन का आबंटन भी कर दिया गया है और सामग्री प्रभावित परिवारों तक पहुंचाई जा रही है। इसके उपरान्त मुख्यमंत्री साय ने चारों जिलों के कलेक्टरों से सीधे संवाद कर उनके-अपने जिलों में चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी ली। कलेक्टरों ने बताया कि अब अधिकांश बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में पानी उतरने लगा है और स्थिति नियंत्रण में है। समीक्षा बैठक में बताया गया कि वर्तमान में प्रशासन का पूरा ध्यान राहत और पुनर्वास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। समीक्षा बैठक में लोक निर्माण विभाग के सचिव कमलप्रीत सिंह, बस्तर संभाग के आयुक्त डोमन सिंह और पुलिस महानिरीक्षक पी सुन्दरराज उपस्थित थे।

अतिरिक्त सहयोग के लिए भेजें प्रस्ताव : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव जैन ने कलेक्टरों से कहा कि यदि उन्हें शासन स्तर से अतिरिक्त सहयोग की आवश्यकता हो तो वे तुरंत प्रस्ताव भेजें, ताकि शासन स्तर पर शीघ्र निर्णय लिया जा सके। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह ने कलेक्टरों को निर्देश दिया कि राहत शिविरों में भोजन, कपड़े और सूखा राशन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, उन्होंने कहा कि राहत शिविरों और प्रभावित गाँवों में स्वास्थ्य शिविर और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।

पीएम मोदी को अपशब्द के विरोध में भाजपा का हल्लाबोल, कांग्रेस मुख्यालय ने घुसकर तोड़फोड़

पटना एजेंसी। राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के दौरान दरभंगा में मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली दिए जाने के मामले ने सियासत में हलचल मचा दी है। इस घटना के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और कार्यकर्ता शुक्रवार सुबह पटना में सड़क पर उतर आए और जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा नेताओं ने सदाकत आश्रम तक मार्च किया और राहुल गांधी तथा इंडिया गठबंधन के अन्य नेताओं के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में कथित तौर पर तोड़फोड़ की गई। भाजपा ने इस घटना को गंभीर बताया और कहा कि मंच से प्रधानमंत्री को गाली देना सिर्फ व्यक्तिगत अपमान नहीं, बल्कि पूरे देश के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला मामला है। इस घटना ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है और सियासी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक

गठबंधन (एनडीए) के सभी घटक दलों के नेता और कार्यकर्ता कुर्जी मोड़ से सदाकत आश्रम तक पैदल मार्च कर आए। वे राहुल गांधी का पुतला दहन करने वाले थे। लेकिन इससे पहले ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं से उनकी भिड़ंत हो गई। दोनों पक्षों के बीच झड़प हुई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सदाकत आश्रम के अंदर से एनडीए कार्यकर्ताओं पर पथराव शुरू कर दिया। इस बीच एनडीए के कार्यकर्ता भी उग्र हो गए और उन्होंने जमकर तोड़फोड़ की।

जापान तकनीक, तो भारत टैलेंट का पावरहाउस : पीएम मोदी

टोक्यो (एजेंसी)। भारत-जापान आर्थिक फोरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना संबोधन जापानी भाषा के साथ शुरू किया। उन्होंने वहां की भाषा में लोगों का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान टेक्नोलॉजी में पावरहाउस है, तो वहीं भारत टैलेंट का पावरहाउस है। टेक्नोलॉजी और टैलेंट ही विकास का नेतृत्व कर सकते हैं। भारत और जापान में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं आज सुबह ही टोक्यो पहुंचा हूं। मुझे बहुत खुशी है कि मेरी यात्रा की शुरुआत बिजनेस जगत के दिग्गजों के साथ हो रही है। आप में से बहुत से लोग ऐसे हैं, जिनसे मेरा व्यक्तिगत परिचय रहा है, जब मैं गुजरात में था तब भी और जब मैं दिल्ली आ गई तब भी। भारत

की विकास यात्रा में जापान हमेशा एक अहम पार्टनर रहा है। मेट्रो से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप्स तक हर क्षेत्र में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बनी हैं। जापानी कंपनियों ने भारत में 40 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। मात्र पिछले 2 वर्षों में 30 बिलियन डॉलर का प्राइवेट इन्वेस्ट हुआ है।'

पीएम मोदी ने कहा, 'पिछले 11 वर्षों में भारत के अभूतपूर्व परिवर्तन से आप सभी भलीभांति परिचित हैं। आज भारत में राजनीतिक स्थिरता है, आर्थिक स्थिरता है, नीति में में पारदर्शिता है, पूर्वानुमान की क्षमता है। आज भारत विश्व की सबसे तेज बढ़ने वाली अहम अर्थव्यवस्था है। भारत बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।'

उन्होंने कहा कि 2017 में हमने एक राष्ट्र, एक कर लागू किया था। अब और भी बड़े सुधार लाने के प्रयास चल रहे हैं। कुछ ही हफ्ते पहले हमारी संसद ने एक सरलीकृत आयकर प्रणाली को मंजूरी दी है। हालांकि, हमारे सुधार केवल कराधान से कहीं आगे तक जाते हैं। हमारे सुधार केवल कर प्रणाली तक सीमित नहीं हैं। हमने व्यापार करने में आसानी पर बल दिया है। व्यापार के लिए एकल डिजिटल विंडो अप्रूवल की व्यवस्था की है।

पीएम मोदी ने कहा, 'रक्षा और अंतरिक्ष जैसे संवेदनशील क्षेत्र पहले ही निजी क्षेत्र के लिए खोल दिए गए हैं। अब हम परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को भी खोल रहे हैं। इन सुधारों के पीछे विकसित भारत बनाने का हमारा संकल्प निहित है।

पीएम नरेन्द्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी पर सीएम साय ने कहा- यह पूरे देश का अपमान

चुनावी रैली के दौरान कांग्रेस व राजद पर अभद्र टिप्पणी का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिहार में इन दिनों कांग्रेस व राजद वोट अधिकार यात्रा पर हैं और इस दौरान चुनावी रैलियों में जमकर सत्ता पक्ष पर हमलावर हैं। इस बीच दरभंगा में राहुल गांधी की चुनावी यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां हीराबेन के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। भाजपा ने इसे बेहद शर्मनाक कहा है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट कर पीएम मोदी पर अभद्र टिप्पणी को पूरे देश का अपमान कहा है।

बता दें राहुल गांधी व तेजस्वी यादव चुनावी रैलियों में लगातार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अनर्गल व अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी की ओर से सोशल मीडिया पर कहा गया कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की यात्रा के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की स्वर्गीय माताजी के लिए बेहद अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। राजनीति में ऐसी नीचता पहले कभी नहीं देखी गई। यह यात्रा अपमान, घृणा और स्तरहीनता की सारी हदें पार कर चुकी है।

भारत की आत्मा और संस्कृति पर चोट : सीएम साय

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी को लेकर तीखा हमला किया है। उन्होंने एक्स पर किए अपने पोस्ट में कहा है कि कांग्रेस और आरजेडी के मंच से आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लिए की गई अभद्र टिप्पणी केवल एक व्यक्ति पर आघात नहीं है, यह पूरे भारत की आत्मा और संस्कृति पर चोट है। प्रधानमंत्री जी का जीवन हर भारतवासी के लिए प्रेरणा है। एक साधारण परिवार से निकलकर, माँ के संघर्षों और संस्कारों से गढ़ा पुत्र आज राष्ट्र सेवा में पूरी निष्ठा से समर्पित है और विश्व मंच पर भारत का गौरव बढ़ा रहा है। इसलिए प्रधानमंत्री जी का अपमान वास्तव में 140 करोड़ भारतीयों की भावनाओं का अपमान है। बिहार की जनता निश्चित ही इस तरह की ओछी और नकारात्मक राजनीति को नकारेगी और लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देगी।

अब मछली के मांस में प्लास्टिक

श्रीकंचनपथ

जी हां! आपने एकदम सही पढ़ा है। प्लास्टिक के चावल - अंडे और पालीथीन पैक्ड कैप्सिकम (शिमला मिर्च) के बाद अब मछली के मांस में भी प्लास्टिक के अंश मिले हैं। प्लास्टिक के इन माइक्रो अंशों को देखने के लिए सूक्ष्मदर्शी यंत्रों का उपयोग करना पड़ता है। यह है प्रकृति का वह हाल जो हमने खुद बनाया है। कोई आश्चर्य नहीं कि अब प्रकृति हमारी क्लास ले रही है। मछली में प्लास्टिक के ये अंश हमारे द्वारा नदी, पोखर और तालाबों में फेंकी गई प्लास्टिक की थैलियों से पहुंच रही हैं। महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी के जूलॉजी विभाग ने एक रिसर्च में यह दावा किया है। एमएसयू की रिसर्च टीम ने नर्मदा नदी से पकड़ी जाने वाली दो मछलियों पर यह शोध किया है। रिसर्च टीम ने भरूच के पास भड़भूत और हंसोत गांवों से पकड़ीं गई दो किस्म की मछलियों के पेट से नायलॉन के धागे और प्लास्टिक के छोटे-छोटे कण बरामद किये हैं। जूलॉजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ। धवल भट्ट ने बताया कि शोधार्थी प्रियांशु और रश्मि रेस्माकर ने भड़भूत और हंसोत में सबसे ज्यादा बिकने वाली दो प्रजातियों की मछलियां मुगली सेफेलस और मडस्किपर पर शोध किया। दोनों ही मछलियों के पेट में प्लास्टिक और नायलोन की रस्सी के बारीक कण मौजूद थे। डॉ। धवल का मानना है कि अगर ये छोटे कण मछलियों के पेट में पाए गए हैं, तो संभावना है कि ये मछलियों की मांसपेशियों में भी मौजूद हों। दरअसल, ये मछलियां नदी की तलहटी में अपना भोजन खोजती हैं और वहां की मिट्टी भी खाती हैं। प्लास्टिक विघटित नहीं होता बल्कि छोटे-छोटे कणों में टूट जाता है। प्लास्टिक के ये सूक्ष्म कण नदी तल की मिट्टी में मिल जाते हैं। इस तरह ये मछलियों के शरीर में पहुंच जाते हैं। भड़भूत नर्मदा नदी के किनारे बसा है। नदी किनारे नदी के गंदगी के ढेर हैं। चारों तरफ प्लास्टिक का अंबार है। एक मछुआरे ने बताया कि उनका मुख्य भोजन मछली और चावल है। अब मछली पकाने या खाने पर भी उसमें से बदबू आती है। नर्मदा का पानी प्रदूषित हो गया है। प्लास्टिक के अलावा इसमें फैक्ट्रियों से निकला केमिकल भी है। मछली को अब तक श्रेष्ठ मांसाहार माना जाता है। पोल्ट्री और डेयरी उत्पादों की तरह इसमें ज्यादा दवाइयां नहीं होतीं। पर अब ऐसी स्थिति नहीं रही। हमारी लापरवाही ने जल स्रोतों के साथ ही मछलियों को भी जहरीला बना दिया है। तमाम पाबंदियों के बाद भी प्लास्टिक और पॉलीथीन की झिल्लियों का उपयोग धड़ल्ले से हो रहा है। इसका सबसे ज्यादा उपयोग सब्जी, फल और मांस-मछली बेचने वाले करते हैं। पूजन सामग्री को नदी या तालाब में ठंडा करने का रिवाज है। इन्हें भी पालीथीन में पैक करके ही फेंका जाता है। यही पॉलीथीन अब लौटकर उनके शरीर में पहुंच रहा है और उन्हें बीमार कर रहा है। पैक्ड फूड और होम डिलीवरी सिस्टम ने हालत को और बिगाड़ दिया है।

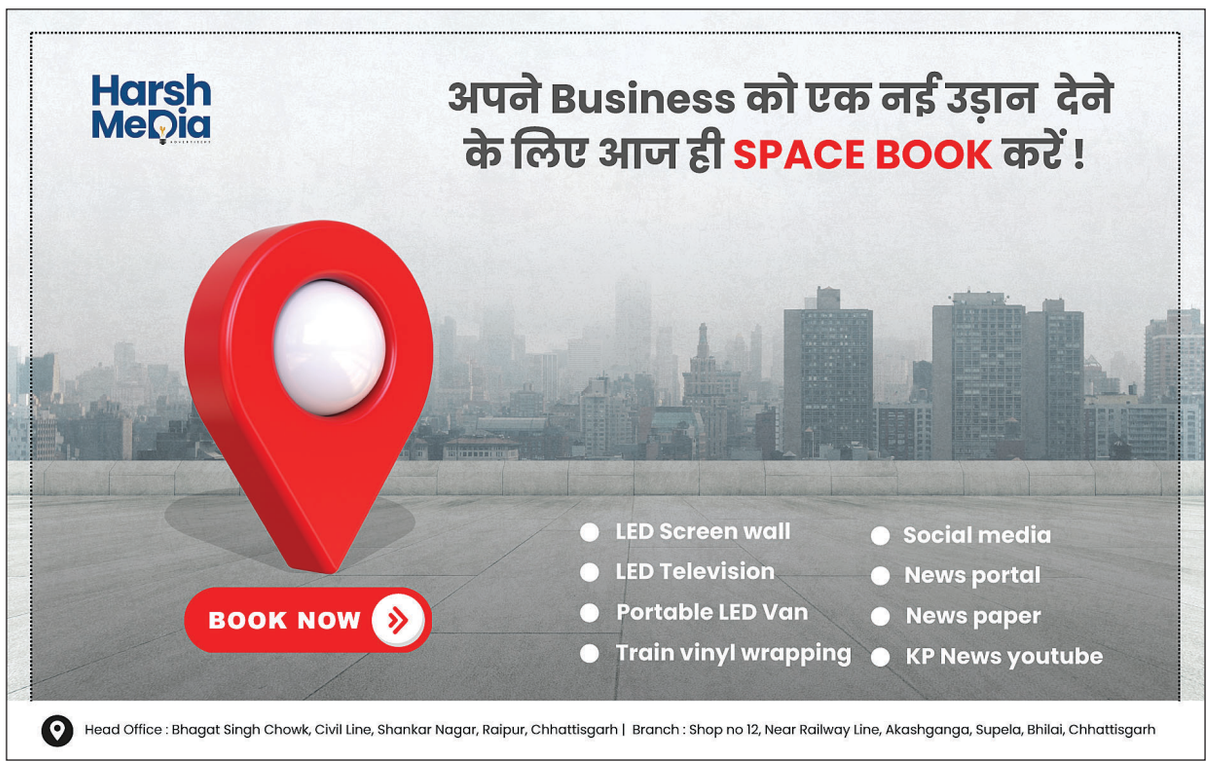

संपादकीय

कानूनी समाधान की पहल

केंद्र सरकार अब ऐसे विधेयक ले आई है, जिनके कानून बनने के बाद गंभीर आपराधिक मामलों में जेल जाने की स्थिति में प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्री और राज्यों के मंत्रियों को उनके पद से हटाने का प्रावधान हो जाएगा।

लोकसभा चुनाव से पहले दो मुख्यमंत्री पद पर रहते गिरफ्तार किए गए थे। उनमें से झारखंड के हेमंत सोरेन ने तो इस्तीफा देकर भारत की संवैधानिक व्यवस्था को नैतिक दुविधा से बचा लिया, लेकिन जब बारी अरविंद केजरीवाल की आई, तो उन्होंने भारत की राजनीतिक व्यवस्था में आ रही चरमराहट को उजागर कर देने की रणनीति अपनाई। केजरीवाल ने इस्तीफा नहीं दिया। तब यह अजीबोगरीब स्थिति बनी कि एक मुख्यमंत्री जेल में रहते हुए वहीं से सरकार चलाने का दावा कर रहा था। भारत में आज जो सियासी सूरत है, उसके बीच ऐसी विडंबनाओं की गुंजाइश लगातार बनी हुई है। नियम या कानूनों को जब अत्यधिक खींच दिया जाता है, तो मर्यादाओं का तार-तार होना स्वाभाविक परिणाम होता है।

अब केंद्र ने ऐसी परिस्थितियों के कानूनी समाधान की पहल की है। वह ऐसे विधेयक ले आया है, जिनके कानून बनने के बाद गंभीर आपराधिक मामलों में जेल जाने की स्थिति में प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्री और राज्यों के मंत्रियों को उनके पद से हटाने का प्रावधान हो जाएगा। जेल गए पदाधिकारी की रिहाई के बाद उसे पद पर वापस लाने का प्रावधान भी किया जा रहा है। अगर आज यह धारणा होती कि संवैधानिक व्यवस्था सामान्य ढंग से काम कर रही है और कानून लागू करने वाली एजेंसियां निष्पक्षता से ठोस तथ्यों के आधार पर कदम उठाती हैं, तो प्रस्तावित नए कानून को एक स्वस्थ पहल माना जाता। लेकिन दुर्भाग्य से आज धारणाएं उसके उलट हैं।

प्रचलित धारणा यह है कि कानून लागू करने वाली एजेंसियां राजनेताओं के दल और उनकी राजनीतिक प्रतिबद्धता को देख कर उनके अपराध तय करती हैं। ऐसे में प्रस्तावित कानून पर विपक्षी खेमों में आशंका पैदा होना लाजिमी प्रतिक्रिया माना जाएगा। इस पर केंद्र ने विपक्ष से कोई संवाद नहीं किया है। इस कारण आशंकाओं की गुंजाइश और भी ज्यादा है। इसलिए उचित होगा कि ऐसा कानून लागू करने के पहले केंद्र उस पर सभी पक्षों को भरोसे में ले। इस बारे में आम सहमति बनाए जाने की जरूरत है। वरना, प्रस्तावित कानून को सत्ता के केंद्रीकरण के एक और प्रयास के रूप में देखा जाएगा।

ट्रंप की टैरिफ-नीति का उचित जवाब

वैश्विक मंच पर एक नया तूफान मच गया है, जिसके केंद्र में हैं- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। उनकी आक्रामक व्यापार नीतियों ने विश्व-व्यवस्था को झकझोर दिया है। 26 अगस्त को सोशल मीडिया के जरिये दी गई एक सख्त चेतावनी में उन्होंने उन देशों को कड़े परिणाम भुगतने की धमकी दी, जो अमेरिकी टेक कंपनियों पर डिजिटल सर्विस टैक्स (डीएसटी) या अन्य प्रतिबंधात्मक नियम लागू करते हैं। भारत और ब्राजील जैसी उभरती आर्थिक ताकतों को वह विशेष तौर पर निशाना बना रहे हैं। भारत पर 27 अगस्त से 50 प्रतिशत का सीमा-शुल्क इसकी तस्दीक करता है।

ट्रंप अपनी 'अमेरिका प्रथम' नीति के अनुरूप व्यवहार कर रहे हैं, जिसके जवाब में भारतीय प्रधानमंत्री ने उचित ही 'आत्मनिर्भर भारत' को आगे बढ़ाने की बात कही है। यह एक प्रेरणादायक नीति है। इससे न केवल भारत आर्थिक रूप से मजबूत बनेगा, बल्कि विश्व व्यापार में एक सशक्त और सम्मानित शक्ति के रूप में स्थापित होगा। ट्रंप के भारी-भरकम टैरिफ के कारण भारत ने वैकल्पिक बाजारों की खोज तेज कर दी है और ब्रिक्स जैसे मंचों के माध्यम से अपनी स्थिति को और सुदृढ़ कर लिया है। यह बताता है कि भारत न केवल दबाव का जवाब देने में सक्षम है, बल्कि वह वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक निर्णायक ताकत के रूप में भी उभरने की क्षमता रखता है। इतना ही नहीं, चुनौतियों को अवसरों में बदलने की कला में भी माहिर है।

भारत ने डिजिटल सर्विस टैक्स को हटाकर इस बात का प्रमाण दिया है कि वह वैश्विक व्यापार के नियमों का सम्मान करता है और अनावश्यक टकराव से बचने के लिए रचनात्मक कदम उठाने को भी तैयार है। फिर भी, ट्रंप टैरिफ बढ़ाने की नीति अपना रहे हैं। यह एक अन्यायपूर्ण फैसला है। यह स्थिति भारत-अमेरिका संबंधों में टकराव बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक आपूर्ति शृंखला और तकनीकी नवाचार पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। ऐसी स्थिति में आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी का दांव काफी सटीक है। यह बताता है कि भारत हर चुनौतियों से टकराने का माद्दा रखता है और अपने हितों की रक्षा करना जानता है। ट्रंप की एकतरफा नीतियों के बावजूद भारत का जवाब संतुलित, रणनीतिक व प्रगतिशील है। यह समय की मांग है कि विश्व के अन्य देश भी अमेरिकी राष्ट्रपति की मनमानी के खिलाफ डटकर खड़े हो जाएं और भारत जैसे देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर एक समावेशी, पारदर्शी और समृद्ध वैश्विक भविष्य की नींव रखे। बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था ही दुनिया का भविष्य है। ट्रंप अपनी नीतियों से इसे रोकना चाहते हैं।

आरके जैन 'अरिजीत', शिक्षाविद

आत्मनिर्भर बनना इतना आसान नहीं

यह सही है कि कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक व्यवस्था में भारत की अहमियत बढ़ी है, लेकिन जिस तरह से अभी 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वदेशी' पर जोर दिया जा रहा है, वह तभी साकार हो सकता है, जब इसकी चुनौतियों का हम जल्द समाधान करने में सफल होंगे। बेशक, केंद्र सरकार इन मुश्किलों को समझती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के अपने भाषण से इसका जिक्र भी किया था, लेकिन जिस तत्परता की जरूरत है, उसका अभाव दिख रहा है, जबकि अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि ट्रंप की टैरिफ-जंग से हम बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं।

आंकड़े बताते हैं कि अभी देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में विनिर्माण क्षेत्र का योगदान केवल 12 प्रतिशत है, और वैश्विक आपूर्ति शृंखला में उसकी हिस्सेदारी सिर्फ 2.8 प्रतिशत। इसकी तुलना में चीन कहीं ज्यादा 28.8 प्रतिशत सामान दुनिया के लिए बना रहा है। हालांकि, सरकार बार-बार कहती रही है, और खासतौर से वित्त मंत्री ने इसका जिक्र किया था कि हम अगले दो दशकों में विनिर्माण क्षेत्र को जीडीपी के 23 प्रतिशत के बराबर करने को संकल्पित हैं, लेकिन इस लक्ष्य को पाना इतना आसान नहीं है। जब तक उद्यमियों को जरूरी राहत नहीं दी जाएगी और बाजार में मांग की स्थिति पैदा नहीं की जाएगी, तब तक विनिर्माण क्षेत्र को ऊपर उठाना काफी मुश्किल है। भारत निस्संदेह वैश्विक जरूरतों को पूरा करने की क्षमता रखता है और कई इलेक्ट्रॉनिक व ऑटो उत्पाद देश में बनने भी लगे हैं, पर निर्माण के साथ-साथ जरूरी है कि यहां के विशाल बाजार का भी पूरा लाभ उठाया जाए और लोगों में इतनी क्षमता पैदा की जाए कि वे उपभोग में कटौती न करें।

आत्मनिर्भर भारत की एक बड़ी चुनौती उत्पादों की घटिया गुणवत्ता भी है, जिस पर चिंता खुद प्रधानमंत्री ने जाहिर की है। उन्होंने 15 अगस्त के भाषण में ठीक याद दिलाया है कि दुनिया गुणवत्ता की कद्र करती है और वैश्विक बाजार में भारत को यदि अपनी छवि चमकानी है, तो उसे उच्च गुणवत्ता के उत्पाद बनाने ही होंगे। इसमें केंद्र व राज्य सरकारों को भी कुछ हद तक समर्थन देना होगा। वैसे, अच्छा तो यही होगा कि सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। इससे न सिर्फ सरकारों पर दबाव कम पड़ेगा, बल्कि उद्यमियों को भी पूंजी जुटाने में सहूलियत होगी। इसी तरह, मजबूत बुनियादी ढांचे के अभाव से भी हमें लड़ना होगा। अगर हम इन चुनौतियों का समाधान निकाल सकें, तो यकीनन, दुनिया हमारी ताकत का लोहा मानेगी। विश्व मंच पर भारत का रुतबा और ज्यादा बढ़ जाएगा।

दीक्षा वत्स, टिप्पणीकार

भारत-जापान दोस्ती का नया दौर

संजय कुमार वर्मा,पूर्व भारतीय राजदूत, जापान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय जापान यात्रा उस सिलसिले की अगली कड़ी है, जिसने इन दोनों एशियाई देशों की पुरानी मित्रता को 21वीं सदी की सबसे अहम साझेदारियों में से एक बनाया है। साल 2014 की अपनी पहली टोक्यो यात्रा के बाद से ही प्रधानमंत्री मोदी ने रणनीतिक विश्वास और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए साझा दृष्टिकोण की बुनियाद पर भारत-जापान संबंधों को लगातार मजबूत किया है।

आजादी की लड़ाई के दौरान नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज को जापान से मिला समर्थन इस बात का प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते सन् 1947 से पहले भी मित्रतापूर्ण थे। द्वितीय विश्व-युद्ध के बाद जापान को अपमानित करने वाली सैन फ्रांसिस्को शांति संधि का समर्थन करने से भारत ने इनकार कर दिया था और 1952 में जापान की पूर्ण संप्रभुता को इसने मान्यता देने का फैसला किया था। इन घटनाओं ने जापानियों के मन में भारत के प्रति सद्भावना का एक ऐसा भंडार बनाया, जो आज तक कायम है। पिछले एक दशक में जापान में शिंजो आबे, योशीहिदे सुगा, फुमियो किशिदा और अब शिगेरु इशिबा प्रधानमंत्री हुए। इन सबको प्रधानमंत्री मोदी के रूप में एक ऐसे साझेदार मिले, जो प्रतीकात्मक सद्भावना को व्यावहारिक सहयोग में तब्दील करने को लेकर हमेशा तत्पर रहे।

इस सहयोग के नतीजे भारत में आसानी से देखे जा सकते हैं। हालांकि, सिंगापुर की तुलना में जापान का निवेश बहुत कम है, फिर भी भारत में 42 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। जापानी मदद से भारत के विभिन्न शहरों में मेट्रो, दिल्ली-मुंबई महत्वाकांक्षी औद्योगिक गलियारा और मुंबई-अहमदाबाद पहली बुलेट ट्रेन परियोजना को गति मिली है। भारत की शहरी नवीकरण परियोजनाओं और स्मार्ट सिटी योजनाओं में जापानी छाप साफदेखी जा सकती है। स्वच्छ ऊर्जा, कौशल व प्रौद्योगिकी में साझेदारी ने बुनियादी ढांचे में सहयोग को विस्तार दिया है। अहम बात यह है कि जापानी निवेश मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, नवीकरणीय ऊर्जा व उन्नत विनिर्माण योजनाओं जैसी हमारी दीर्घकालिक प्राथमिकताओं के साथ जुड़े हुए हैं, जो इस साझेदारी को स्थायित्व प्रदान करते हैं।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र इस गठजोड़ का असली मंच बन गया है। जैसे-जैसे वैश्विक भू-राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र पूरब बनता जा रहा है, इसे टिकाऊ बनाने में भारत और जापान का महत्व बढ़ गया है। ये दोनों देश एक समावेशी और नियम-आधारित व्यवस्था के हिमायती हैं, ताकि इस क्षेत्र पर किसी का एकाधिकार न होने पाए। किसी बड़ी शक्ति द्वारा इस समुद्री क्षेत्र में दादागिरी जमाने, भू-राजनीतिक संघर्ष की स्थिति में संवेदनशील आपूर्ति शृंखला और प्रभुत्व जमाने के लिए तकनीकी दुरुपयोग को लेकर दोनों की चिंताएं एक जैसी हैं। यही कारण है कि दोनों देशों ने इन चिंताओं को अपनी साझा रणनीति में बदल दिया है।

इसके लिए उन्होंने 'क्वाड' के जरिये क्षेत्रीय सहयोग को नया आकार दिया है। बुनियादी ढांचे, टीके के निर्माण, महत्वपूर्ण तकनीकी, व्यापार, निवेश और जलवायु कार्रवाई के कदमों को आगे बढ़ाया है। दोनों देशों के संयुक्त नौसैन्य अभ्यासों और रक्षा संवादों से भी यह सुनिश्चित हुआ है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को ऐसे ही नहीं छोड़ा जा सकता। निस्संदेह, ऐसे मौकों पर नेताओं के व्यक्तिगत रिश्ते भी अहम मायने रखते हैं। शिंजो आबे और नरेंद्र मोदी की आपसी समझ ने दोनों देशों के संबंधों में अहम भूमिका अदा की है, जो परस्पर भरोसे पर आधारित है। जापान की घरेलू राजनीति में बार-बार नेतृत्व परिवर्तन के बावजूद भारत ने इस दिशा में अपनी नीतिगत निरंतरता बनाए रखी।

हालांकि, दोनों देशों के संबंधों में चुनौतियां भी कई हैं। टोक्यो के दृष्टिकोण से भारत के जटिल नियम-कानून, परियोजनाओं की मंजूरी में देरी व दीर्घकालिक नीतिगत आकलन का अभाव बड़ी समस्याएं हैं। दूसरी ओर, जापान को लेकर नई दिल्ली की अपनी चिंताएं हैं। वहां की धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था, निवेश पर असर डालने वाली बुजुर्गों की बढ़ती आबादी या शांतिवादी राजनीति की बोझ वाली अति सतर्क कूटनीति भारत को चिंतित करती है। यदि दोनों देशों को आपसी सहयोग को मजबूत करना है, तो उन्हें इन खाइयों को पाटने के तरीके खोजने होंगे और टकराव के बिंदुओं को सुधार के अवसरों में बदलना होगा।

ऐसे में, प्रधानमंत्री की आज से शुरू होने वाली यात्रा में भविष्य की राह सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाना चाहिए। अब ध्यान परियोजनाओं पर नहीं, वैश्विक मंचों पर केंद्रित होना चाहिए। सेमीकंडक्टर, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स और दुर्लभ मृदा प्रौद्योगिकियों में आने वाले जापानी निवेश दोनों देशों के संयुक्त तकनीकी भविष्य तय कर सकते हैं। हाइड्रोजन, तटीय पवन ऊर्जा व बैटरी भंडारण में संयुक्त उद्यम दोनों को वैश्विक स्तर पर हरित ऊर्जा के मामले में अग्रणी स्थान दिला सकते हैं। दोनों देशों के कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग और रोबोटिक्स के संयुक्त अनुसंधान केंद्र उन्हें आगामी डिजिटल-औद्योगिक क्रांति का आधार प्रदान कर सकते हैं। चूंकि डाटा डिजिटल युग की मुद्रा बन गया है, इसलिए भारत और जापान को साइबर सुरक्षा, विश्वसनीय डाटा प्रवाह और वैश्विक मानक गढ़ने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

अर्थशास्त्र से परे दोनों देशों को मानवीय संबंध भी मजबूत करना चाहिए। जापान में भारतीय युवाओं का भाषायी प्रशिक्षण, छात्रों का आवागमन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और उद्योग-संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम हमारी युवा शक्ति को औद्योगिक गतिविधियों से जुड़ने और पीढ़ियों के बीच जीवंत साझेदारी रच सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि भारत-जापान संबंध दो सभ्यताओं के बीच का संबंध हैं। दोनों देशों में लोकतंत्र, खुलेपन और संप्रभुता के सम्मान के मूल्यों ने इस साझेदारी को नैतिक आधार प्रदान किया है।

इस तरह, भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा जापान से समर्थन मांगने से शुरू हुई कहानी अब एक स्वतंत्र, समावेशी और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण में अभिव्यक्त हो रही है। दोनों देशों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अच्छे साझेदार होने की नहीं, बल्कि एशिया के भविष्य का निर्माता बनने की है। एशिया में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने वाले भारत की जिम्मेदारी न केवल अपने हितों की रक्षा करना है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र खुला, बहुलवादी और निष्पक्ष बना रहे। दुनिया देख रही है और क्षेत्र सुन रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

दहेज लोभियों की भेंट चढ़ रही बेटियां

ग्रेटर नोएडा की निक्की की दर्दनाक मौत से हमारे समाज और व्यवस्था पर गहरे सवाल खड़े होते हैं। शादी जैसे पवित्र बंधन को जब आर्थिक लेन-देन और लालच से जोड़ा जाता है, तो उसका परिणाम अक्सर हिंसा और मौत के रूप में सामने आता है। एनसीआरबी की 2022 की रिपोर्ट बताती है कि साल भर में 6,450 महिलाएं दहेज हत्या की शिकार हुईं, यानी भारत में हर दिन औसतन 54 महिलाएं दहेज लोभियों के हाथों अपनी जान गंवा रही हैं। यह आंकड़ा बताता है कि दहेज की समस्या सिर्फ कानून बनाने से खत्म नहीं होने वाली। इसके लिए सामाजिक और प्रशासनिक, दोनों स्तरों पर गहरी पहल की जरूरत है।

ऐसा नहीं है कि दहेज हत्या को रोकने के लिए प्रयास नहीं किए गए हैं। 1961 में दहेज निषेध अधिनियम बनाया गया, जिसके बाद आईपीसी की धारा 304बी और 498ए, और 2005 का घरेलू हिंसा अधिनियम लागू किए गए। इन कानूनों का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षा देना और दोषियों को कड़ी सजा दिलाना था। हालांकि, जमीन पर स्थिति निराशाजनक ही है। धीमी जांच, वर्षों तक खिंचने वाली सुनवाई, गवाहों का मुकर जाना और सामाजिक दबाव के चलते दोषियों को सजा नहीं मिल पाती। नतीजतन, पीड़ित परिवार न्याय के लिए भटकता रहता है। हालांकि, दहेज विरोधी कानूनों का दुरुपयोग भी एक बड़ा मसला है। कई बार झूठे मामले दर्ज करके ससुराल वालों को प्रताड़ित किया जाता है और बदला लेने की मानसिकता से काम किया जाता है। इस कारण पुलिस और प्रशासन ऐसे मामलों पर संवेदनशील होकर काम करने के बजाय संदेह करने लगे हैं।

इस स्थिति में सुधार बेहद जरूरी है। सबसे पहले, जांच और सुनवाई की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाया जाना चाहिए। दूसरा, पुलिस और प्रशासन को इस कदर प्रशिक्षण दिया जाए कि वे संवेदनशीलता दिखाएं और हर शिकायत को गंभीरता से लें, चाहे मामला असली हो या झूठा। तीसरा, झूठे मामलों की पहचान करने और उन पर कार्रवाई की व्यवस्था हो, ताकि कानून का गलत इस्तेमाल रुक सके और इसकी विश्वसनीयता बनी रहे। चौथा, समाज में जागरूकता अभियान चलाए जाएं कि बेटियां बोझ नहीं हैं और शादी किसी आर्थिक सौदेबाजी का नाम नहीं। यदि हमें अपनी बेटियों को सचमुच सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन देना है, तो कानून को केवल किताबों में नहीं, बल्कि जमीन पर लागू करना होगा। इसके साथ ही जरूरी यह भी है कि समाज की सोच व्यापक बने। ऐसा होने पर ही निक्की जैसी मासूम जिंदगियां बचाई जा सकेंगी।

सुभाष बुड़ावन वाला, टिप्पणीकार

ऐसी हत्याओं के मामले लगातार घट रहे

देश में दहेज-हत्या के मामले लगातार कम हो रहे हैं। यकीन न हो, तो एनसीआरबी के आंकड़े देख लीजिए, जिसमें कहा गया है कि साल 2020 में दहेज-हत्या के 6,966 मामले सामने आए थे, जबकि 2021 में 6,753। इसी तरह, साल 2022 में 6,450 मामले सामने आए थे। ये नवीनतम आंकड़े हैं। इन आंकड़ों को देखकर समझा जा सकता है कि किस तरह से दहेज-हत्या के मामले घट रहे हैं। अगर यह गिरावट यूं ही जारी रही, तो यकीनन जल्द ही देश में दहेज-हत्या के मामले बहुत कम हो जाएंगे।

यह इसलिए संभव हो सका है, क्योंकि दहेज के खिलाफ लोगों में जागरूकता बढ़ी है और पहले की तुलना में इसका चलन कम हुआ है। मैं यह नहीं कह रही कि दहेज का लेन-देन अब नहीं हो रहा, लेकिन सच यह भी है कि आज कई तबकों में दहेज लेने वालों को अच्छी निगाहों से नहीं देखा जाता। बेशक, कोई उनके मुंह पर कुछ न कहे, लेकिन पीठ पीछे सभी उनकी बुराई ही करते हैं। निक्की मामले में ही उसके ससुराल पक्ष को सब घेर रहे हैं, क्योंकि सभी यह मानते हैं कि उसने गलत किया है। अब तो कई परिवार यह भी कहने लगे हैं कि बेटियों में दहेज देना भले उनकी मजबूरी हो, पर बेटों में दहेज लेना नहीं, इसलिए वे बेटों का विवाह किसी भी तरह के लेन-देन के बिना करने लगे हैं। जब इस तरह की सोच पूरे समाज में व्याप्त हो जाएगी, तो निश्चय ही दहेज का दानव भी खत्म हो जाएगा।

दहेज के खिलाफ इसलिए भी लोगों में बेरुखी बढ़ती जा रही है, क्योंकि अब लड़के और लड़कियों में कोई फर्क नहीं किया जाता। माता-पिता अपनी हर संतान को समान भाव से पढ़ाते-लिखाते हैं। यही कारण है कि बेटियां अब किसी भी मामले में बेटों से कम नहीं होतीं। वे न सिर्फ बेटों के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर पढ़ाई-लिखाई करती हैं, बल्कि नौकरी के मामले में भी पीछे नहीं दिखतीं। वे सभी तरह के काम करने लगी हैं। इस कारण बेटियां भी बेटों के समान अच्छी-खासी कमाई करती हैं। तो, जब बेटियां अपने पांव पर खड़ी हैं, तो भला वे क्यों दहेज देने को तैयार होंगी? अगर कोई वर पक्ष इसकी मांग करता भी है, तो उसे टका सा जवाब सुना दिया जाता है कि मेरी बेटी तो अब अपने पांव पर खड़ी है, उसे क्या दिक्कत है, आप न सही, तो कोई दूसरा लड़का उसका हाथ थाम ही लेगा। इसका एक मतलब यह भी है कि अगर हम दहेज जैसी कुरीति को समाज से खत्म करना चाहते हैं, तो बेटियों को अपने पांव पर खड़े होना सिखाना होगा। उनको सशक्त बनाना होगा। पढ़ी-लिखी और काबिल बेटियों के लिए कोई मां-बाप क्यों दहेज देने को मजबूर होगा?

समिधा, टिप्पणीकार

क्या चीन कभी भारत का सगा हो सकता है?

हरिशंकर व्यास

हां, गौर करें 2014 से 2025 के बीच अमेरिका, चीन, रूस से पाकिस्तान, बांग्लादेश, मालदीव तक के भारत रिश्तों पर अपनी विदेश नीति का क्या अर्थ बना है? चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग को झूला झुलाने से लेकर नवाज शरीफ के घर जा कर पकौड़े खाने से अबकी बार ट्रंप सरकार के नारे का वह एक सिलसिला, जिससे दुनिया में सिर्फ यह साबित हुआ है कि भारत का कोई अर्थ नहीं है फिर भले भारत का विदेश मंत्रालय दुनिया के देशों से अपने प्रधानमंत्री को चाहे जितने राष्ट्रीय सम्मान दिलाए। भारत तो एक एक्सट्रीम से दूसरे एक्सट्रीम तक झूला झूलने की विदेश नीति में देश के रक्षा-सामरिक हितों तक का भी ध्यान नहीं रखता।

इसी मई में, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, चीन और उसके सेनाधिकारी इस्लामाबाद में बैठ कर पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल मुनीर को गाइड करते हुए थे। भारत के खिलाफ पाकिस्तानी सेना को चीन लड़ाकू विमान और मिसाइल, सेटेलाइट बैकअप देता हुआ था। दुनिया ने तब देखा और जाना कि चीन और पाकिस्तान किस हद तक एक-दूसरे के सगे हैं। तब रूस भी पाकिस्तान का ही सगा था। भारत के लिए वह नहीं बोला। वह तटस्थ रहा। इसलिए क्योंकि यह अब वैश्विक सत्य है कि चीन उसका आज मालिक है। चीन के दम पर ही राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन से लड़ते हुए हैं।

ये सब बाते आज के स्थायी बेसिक सत्य है। और नरेंद्र मोदी का गॉडफादर किसे माना जा रहा था? डोनाल्ड ट्रंप को। आखिर उनके लिए अमेरिकी चुनाव के समय मोदी ने खुद सभा में नारा लगाया था अबकी बार ट्रंप सरकार। इतना ही नहीं ट्रंप को खुश करने के लिए भारत में उनका रियल एस्टेट कारोबार बनवाया। कहते है ट्रंप की कंपनियों ने बिना दमड़ी लगाए भारत में हजारों करोड़ रुपए कमाए। यह भी सत्य है कि अमेरिका का बाइडेन प्रशासन हो या ट्रंप प्रशासन उसने चीन की डोकलाम आक्रामकता तथा पाकिस्तानी हरकतों के आगे मोदी सरकार को भरपूर मदद व खुफिया जानकारियां दी हैं। शायद अभी भी मिल रही हैं। और मोदी सरकार सार्वजनिक तौर पर भले इनकार करे लेकिन मई में सीजफायर ट्रंप प्रशासन के कारण ही हुआ था!

पर मोदी और उनके सलाहकार डोवाल, जयशंकर ने तब भी माना होगा कि मानो ट्रंप भी ऐंवे ही हैं। सो, सीजफायर के बाद ट्रंप का आभार जताने के बजाय भारत ने उन्हें ठेंगा बताया। पाकिस्तान के जनरल मुनीर ने मौका लपका। और वे ट्रंप की गोद (चीन की सौ टका रजामंदी से) में बैठ गए। पाकिस्तान ने ट्रंप को शांति का नोबेल पुरस्कार देने की पैरवी की।

जबकि हिसाब से ट्रंप का मिजाज कैसा है, इसे प्रधानमंत्री मोदी व उनके सलाहकारों को गहराई से समझे होना चाहिए था। लेकिन भारत में जैसे सब ऐंवे है तो मोदी मुगालते में रहे कि ट्रंप क्या कर लेंगे। नतीजतन ट्रंप ने जब भारत को डेड इकोनॉमी घोषित कर टैरिफ लगाए तो मोदी-डोवाल-जयशंकर पर मानों पहाड़ टूट पडा! ध्यान रहे ट्रंप ने कनाडा, मेक्सिको, ब्रिटेन, यूरोप, जापान, दक्षिण कोरिया सभी पर टैरिफ लगाए हैं। सभी पर गाज गिरी है। चीन पर सर्वाधिक। लेकिन ये सभी देश किस तरह ट्रंप प्रशासन को हैंडल करते हुए हैं? जबकि भारत तुरंत एक छोर से दूसरे छोर तक उछलकूद करने वाली लंगूर कूटनीति में दूसरी दिशा में उछल गया! डोवाल दौड़े-दौड़े पहले रूस गए फिर चीन गए तो जयशंकर भी जा पहुंचे। पुतिन ने भारत यात्रा की घोषणा की वही चीन के विदेश मंत्री ने भारत आ कर प्रधानमंत्री मोदी के साथ फोटोशूट किया। अब प्रधानमंत्री अगले महीने चीन जा कर शी जिनफिंग के साथ फिर झूला झूलेंगे। मतलब ट्रंप-मोदी भाई-भाई नहीं अब आगे शी जिन-मोदी भाई-भाई। लेकिन क्या चीन कभी भारत का सगा हो सकता है? क्या रूस के पुतिन अपने गॉडफादर राष्ट्रपति शी जिनफिंग की रणनीति से अलग पाकिस्तान के खिलाफ भारत के मददगार हो सकते हैं?

इस लंगूर कूटनीति से सबसे बड़ी बात चीन और रूस या अमेरिका, यूरोप व जापान, दक्षिण एशिया के पड़ोसियों में भारत का अर्थ क्या बना है या क्या बनता हुआ होगा! मेरा मानना है कि ये सभी देश भी सोचते होंगे ऐंवे ही भारत और ऐंवे ही भारत की विदेश, व्यापार व सामरिक नीति! तभी भारत की नियति चीन और पाकिस्तान के ही घेरे में बंधे रहने की है!

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

बीएसपी क्रिकेट टीम अंडर-16, अंडर-23 एवं सीनियर वर्ग के गठन हेतु पंजीयन प्रारंभ

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ द्वारा सत्र 2025-26 के लिए आयोजित अंडर-16, अंडर-23 एवं सीनियर वर्ग क्रिकेट प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र की टीम भी भाग ले रही है। बीएसपी टीम के गठन हेतु भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा पंजीयन प्रारंभ कर दिया गया है। चयन स्पर्धा में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों का पंजीयन 28 एवं 29 अगस्त 2025 को बी.एस.पी. क्रिकेट ग्राउंड, सिविक सेंटर, भिलाई में प्रात: 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक किया जा रहा है। अंडर-16 (बालक) आयु वर्ग में भाग लेने के लिए प्रतिभागी की जन्मतिथि 01 सितम्बर 2010 से 31 अगस्त 2012 के मध्य और अंडर-23 (बालक) आयु वर्ग के लिए 01 सितम्बर 2003 से 31 अगस्त 2007 के मध्य जन्म लेने वाले खिलाड़ी पात्र होंगे। अत: संयंत्रकर्मियों के बच्चे तथा भिलाई परिधीय क्षेत्र के प्रतिभागी जो इस चयन स्पर्धा में भाग लेना चाहते हैं, वे बी.एस.पी. क्रिकेट ग्राउंड, सिविक सेंटर, भिलाई में आवश्यक दस्तावेजों के साथ चयनकर्ताओं के राजगोपालन (मो.न- 9131433662) तथा देवेश बनर्जी (मो.न- 9407984944) के पास अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। पंजीयन व चयन स्पर्धा में भाग लेने हेतु प्रतिभागियों को पिछले छह वर्षों की अंकसूची (स्कूल), डिजिटल या मैनुअल जन्म प्रमाण पत्र, फेटो सहित पीवीसी आधार कार्ड तथा दो पासपोर्ट आकार के फेटो (मूल और प्रतिलिपि सहित) लाना अनिवार्य है।

राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन 31 अगस्त तक, दिखेगी खिलाड़ियों की प्रतिभा

दुर्ग। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 31 अगस्त 2025 तक खेल दिवस का आयोजन किया जा रहा है। खेल दिवस के अवसर पर 30 अगस्त 2025 को मेजर ध्यानचंद अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी के नाम पर जिला दुर्ग के विकासखण्ड दुर्ग के शाडमा विद्यालय पुरई में पारंपरिक खेल आयोजन किया जायेगा। खेल का नाम कबड्डी, खो-खो, स्थानीय खेल पिट्ठुल, गेड़ी दौड़। समापन अवसर पर स्थानीय प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जायेगा।

31 अगस्त 2025 को खेल दिवस के अवसर पर सायकल रैली का आयोजन प्रगति भवन (सिविक सेन्टर) जयंती स्टेडियम में किया जा रहा है। सायकल रैली का शुभारंभ प्रगति भवन जयंती स्टेडियम से किया जाएगा। सायकल रैली निम्नानुसार मार्ग से गुजरेगी। सायकल रैली 31 अगस्त 2025 को प्रात: 08.30 बजे प्रगति भवन (सिविक सेन्टर) भिलाई से प्रारंभ होकर शहीद पार्क, परिवार चौक, रेल चौक, डीपीएस चौक, एस.एस.बी. चौक, जयन्ती स्टेडियम में पिछे भाग से प्रवेश करते हुए स्टेडियम के अंदर एक चक्कर लगाकर पुन: पीछे वाली गेट से प्रगति भवन पहुंचकर रैली का समापन होगा। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों का सम्मान एवं खिलाड़ियों को शपथ ग्रहण किया जाएगा।

ई-सिटी बसों का स्टॉपेज जल्द बनाए एजेंसी, कलेक्टर अभिजीत सिंह ने निर्माणी एजेंसी को दिए दिशा निर्देश

कलेक्टर व निगम आयुक्त ने किया भिलाई शहर के विकास कार्यों का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई शहर के सर्वांगीण विकास के लिए निर्माणाधीन एवं पूर्व निर्मित कार्यों का कलेक्टर अभिजीत सिंह, महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ई सिटी बस सेवा स्टॉपेज निर्माणाधीन कार्य का निरीक्षण कर ड्राइंग डिजाइन का अवलोकन किया। अविलंब निर्माण हेतु एजेंसी कुणाल बिल्डर्स को निर्देशित किया गया है ताकि शीघ्रता से लोगों को ई सिटी बस सेवा का लाभ मिल सके। इस सिटी बस सेवा से जिले के संपूर्ण रूट में सफर करने वालों को लाभ मिलेगा। माना एयरपोर्ट जाने के लिए भी सिटी बस सेवा का लाभ मिल सकता है। चूकि बस बैटरी ऑपरेटेड है अत: इस सेवा से पर्यावरण एवं आम जनजीवन हेतु कोई दुष्प्रभाव नहीं है।

कलेक्टर व आयुक्त ने राधिका नगर पानी टंकी समीपस्थ स्लॉटर हाउस का निर्माण किया गया है। इसके संचालन एवं रख रखाव हेतु नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा रुचि की अभिव्यक्ति जारी की गई है। मांस या मटन विक्रेताओं को पशु वध के पूर्व स्लॉटर हाउस से लैब टेस्ट करवा कर रोग रहित पशु का प्रमाण पत्र लेना होगा। इसके संचालित होने से रोग रहित एवं प्रमाणित मांस का विक्रय दुर्ग जिले के शहरो में होगा। निर्मित स्लॉटर हाउस के संबंध में स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली द्वारा जानकारी प्रदान किया गया। गैर प्रमाणित मांस व मटन के विक्रय पर प्रतिबंध लगाने कलेक्टर द्वारा स्लॉटर हाउस के मशीनों को बारीकी से देखा।

ई-लाइब्रेरी का निरीक्षण

कलेक्टर सिंह, महापौर पाल एवं निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय द्वारा सेक्टर-5 स्थित शहीद उद्यान में निर्माणाधीन ई लाइब्रेरी का अवलोकन किया गया, अविलंब निर्माण हेतु एजेंसी कुणाल बिल्डर्स को निर्देशित किया गया है। संचालन एवं रखरखाव के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। इस ई-लाइब्रेरी के निर्माण से भिलाई कोचिंग के लिए आए बच्चों को प्राकृतिक, मनोरम एवं एकांत वातावरण मिलेगा। लाइब्रेरी के लिए वर्तमान में छात्रों द्वारा निजी स्थानों में किए जा रहे व्यय ज्यादा है, इसके बाद व्यय में कमी आएगी। वर्तमान में शहीद उद्यान में संधारण कार्य जारी है जिसके कारण उद्यान 31 अगस्त तक बंद रखा गया है। म्यूजिकल फाउंटेन संधारण के लिए बाहर भेजा गया है, जिसका संधारण कर पार्क में लगा दिया जाएगा। शहर के स्कूली या कोचिंग के बच्चे कुछ माह में ही उद्यान के साथ-साथ ई लाइब्रेरी लाभ लेंगे।

ट्रैफिक पार्क के संचालन एवं रखरखाव पर चर्चा

कलेक्टर, महापौर सहित निगम आयुक्त ट्रैफिक पार्क का अवलोकन कर संचालन एवं रखरखाव के संबंध में चर्चा किए। उद्यान में आए आगंतुक हेतु फूड जोन का व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं के बारे में चर्चा की गई। कलेक्टर द्वारा प्रियदर्शनी परिसर पूर्व से पश्चिम की ओर रेलवे लाइन के समानांतर बनने वाले रोड का अवलोकन किया गया। प्रियदर्शनी परिसर पश्चिम स्विमिंग पूल, हॉर्स राइडिंग एवं नालंदा परिसर स्थल का निरीक्षण किया गया। उक्त निर्माण संबंधी दस्तावेज एवं ड्राइंग डिजाइन का अवलोकन कर चर्चा किया किया गया है। विभिन्न स्थलों में निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अजय राजपूत, कुलदीप गुप्ता, कार्यपालन अभियंता अखिल चंद्राकर, अनिल सिंह, उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू, सहायक अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, दीपक देवांगन, सहायक राजस्व अधिकारी अजय शुक्ला, उप अभियंता बसंत साहू, श्वेता महेश्वर, अर्पित बंजारे, चंदन निर्मलकर, पलाश वैद्य, सागर दुबे एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

विघ्नविनाशक भगवान् श्री गणेश की पेन्टिंग को श्रेष्ठ पेन्टिंग का पुरस्कार

भिलाई। प्रख्यात मॉडर्न आर्ट चित्रकार डी.एस.विद्यार्थी ने विघ्नविनाशक भगवान् श्री गणेश की मनोहारी पेन्टिंग का निर्माण किया है। इस कृति को महाकौशल कला परिषद रायपुर द्वारा पूर्व में आयोजित अखिल भारतीय चित्रकला स्पर्धा में वर्ष के श्रेष्ठ पेन्टिंग का पुरस्कार मिल चुका है।

विद्यार्थी ने अपनी पेन्टिंग का वर्णन करते हुए बताया कि यज्ञ के दौरान दुष्टों का नाश करने के कारण गणेश जी को विघ्नहर्ता का नाम मिला है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हमारी भारतीय सेना भी उसका अनुसरण करते हुए पाकिस्तान को उसके दुष्कर्मों का दंड दे रही है। छत्तीसगढ़ के चित्रकार द्वारा समकालीन भारतीय कलाजगत में अपनी कला के श्रेष्ठतम प्रदर्शन के लिए सुप्रसिद्ध चित्रकार बी.एल.सोनी, आचार्य महेश चंद्र शर्मा, रंगकर्मी विजय शर्मा, मोहन बराल, प्रवीण कालमेघ, मीना देवांगन, साहित्यकार मेनका वर्मा एवं ललित कला अकादमी नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ से प्रथम बोर्ड मेम्बर डॉ.अंकुश देवांगन ने बधाई दी है।

बिलासपुर- यलहंका बेंगलुरु के बीच 22 फेरों के लिए चलेगी पूजा स्पेशल

■ यात्रियों को मिलेगी कन्फर्म बर्थ की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्गापूजा, दीपावली एवं छठ पूजा त्यौहारों के दौरान ट्रेनों में होने वाली अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने एवं यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु बिलासपुर-यलहंका(बेंगलुरु)-बिलासपुर के मध्य 22 फेरों के लिये साप्ताहिक फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है ।

गाड़ी संख्या 08261 बिलासपुर-यलहंका(बेंगलुरु)फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन बिलासपुर से दिनांक 09 सितम्बर 2025 से 18 नवम्बर 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को तथा गाड़ी संख्या 08262 यलहंका(बेंगलुरु)-बिलासपुर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन यलहंका से दिनांक 10 सितंबर 2025 से 19 नवंबर 2025 तक प्रत्येक बुधवार को चलेगी । इन गाड़ियों का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, भाटापारा, रायपुर, दुर्ग, राजनादगाँव, डोंगरगढ़ एवं गोंदिया स्टेशनों में दिया गया है।

गाड़ी संख्या 08261 बिलासपुर-यलहंका फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन प्रत्येक मंगलवार को बिलासपुर से 11.00 बजे रवाना होगी। भाटापारा 11.38 बजे, रायपुर 12.45 बजे, दुर्ग 14.20 बजे, राजनादगांव 14.48 बजे, डोंगरगढ़ 15.13 बजे पहुंचेगी। यहां से गोंदया, बल्लारशाह, चर्लपल्ली तीसरे दिन रात 19.00 बजे यलहंका पहुंचेगी ।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08262 यलहंका-बिलासपुर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन प्रत्येक बुधवार को यलहंका से रात 9.00 बजे रवाना होकर तीसरे दिन शुक्रवार को गोंदिया आगमन 00.05 बजे, प्रस्थान 00.15 बजे, डोंगरगढ़ आगमन 01.12 बजे, प्रस्थान 01.14 बजे, राजनादगांव आगमन 01.37 बजे, प्रस्थान 01.39 बजे, दुर्ग आगमन 02.45 बजे, प्रस्थान 02.50 बजे, रायपुर आगमन 03.25 बजे, प्रस्थान 03.30 बजे, भाटापारा आगमन 04.14 बजे, प्रस्थान 04.16 बजे होते हुये 05.30 बजे बिलासपुर पहुंचेगी। इस फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन में 01 एसएलआरडी, 03 सामान्य, 04 स्लीपर, 02 एसी-थ्री इकोनामी, 08 एसी-थ्री, 01 एसी -2 तथा जनरेटर कार सहित कुल 20 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेंगे।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया खादी महोत्सव का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने 27 अगस्त को छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित खादी महोत्सव का शुभारंभ किया।

सिविक सेंटर भिलाई के वेल्डेक्स ग्राउंड में ग्रामोद्योग बोर्ड अंतर्गत बुनकरों द्वारा स्वदेशी खादी वस्त्रों की बिक्री हेतु प्रदर्शनी लगाई गई है। शुभारंभ अवसर पर ग्रामोद्योग मंत्री श्री यादव ने कहा कि खादी सिर्फ वस्त्र नही, यह आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने उपस्थित जनों से खादी वस्त्रों के महत्व पर चर्चा करते हुए स्वयं भी खादी वस्त्र खरीदा और सभी से स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने की अपील की। कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पांडे, दुर्ग निगम के सभापति श्याम शर्मा, पार्षदगण एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बीएसपी में यांत्रिकी सेवाएं विभाग ने किया सुरक्षा सप्ताह का सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के यांत्रिकी सेवाएं विभाग द्वारा सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ 19 अगस्त को टूल्स एवं टैकल्स वर्कशॉप में मुख्य महाप्रबंधक (यांत्रिकी) प्रमोद कुमार के मुख्य आतिथ्य में किया गया। समारोह में यांत्रिकी सेवाएँ विभाग के सभी अनुभाग—ईबीएसआई, क्रेन इंजीनियरिंग, स्नेहन अभियांत्रिकी, बेयरिंग अभियांत्रिकी, हाइड्रोलिक्स एवं न्यूमेटिक तथा कंडीशन बेस मॉनिटरिंग सिस्टम के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रमोद कुमार ने विभिन्न कार्यों में निहित संभावित जोखिमों के बारे में जानकारी दी और उनसे सुरक्षित रहने हेतु उपायों पर प्रकाश डाला। सुरक्षा सप्ताह के दौरान सुरक्षा सम्बन्धित विभिन्न

गतिविधियाँ, विशेषज्ञ वार्ता तथा सेफ्टी क्विज का आयोजन किया गया। इन्हीं गतिविधियों के तहत अग्निशमन विभाग द्वारा फायर एक्सटिंग्विशर का प्रदर्शन, ओएचएस विभाग द्वारा प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण, वरिष्ठ प्रबंधक (यांत्रिकी सेवाएं) हिमांशु वर्मा द्वारा नियर मिस केस, टीबीटी एवं सेफ्टी गवर्नेंस पर सत्र तथा ईएमडी विभाग द्वारा गैस सुरक्षा पर व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। सुरक्षा नारा लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों में विशेष रूप से भाग लिया।

गीतों और कविताओं के माध्यम से सुरक्षा के संदेश

आयोजित सुरक्षा सप्ताह के समापन समारोह में कर्मचारियों ने सुरक्षा गीतों और कविताओं के माध्यम से सुरक्षा के संदेश दिए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियंत्रिकी विभाग) जे तुलसीदासन ने सप्ताह भर आयोजित विभिन्न गतिविधियों की सराहना की। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं और सुरक्षा के संबंध में जीरो टॉलरेंस नीति तथा वर्तमान परिदृश्य में इसके महत्व पर विशेष बल दिया। विभागीय सुरक्षा अधिकारी एवं सहायक महाप्रबंधक अरविंद कुमार चौबे ने सुरक्षा सम्बन्धी विभागीय गतिविधियों की जानकारी साझा करते हुए यह उल्लेख किया कि विभाग ने पिछले कई वर्षों से शून्य दुर्घटना का रिकॉर्ड कायम रखा है। उन्होंने शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को प्राप्त करने और इस रिकॉर्ड को बनाये रखने में कर्मचारियों के अनवरत प्रयासों की सराहना की। समापन समारोह के अवसर पर सुरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित स्लोगन, कविता, पोस्टर आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया एवं बेस्ट सेफ्टी मैन श्रेणी में भी विजेताओं को सम्मानित किया गया। सुरक्षा सप्ताह का सफल आयोजन महाप्रबंधक प्रभारी आशीष घोष एवं एमएस भोगल के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन कनिष्ठ प्रबंधक (टूल्स एवं टैकल्स) यतीन्द्र पुरंग ने किया।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

शासन की योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्र परिवारों तक पहुँचे - कलेक्टर

सुकमा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं आदि कर्मयोगी कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी, मास्टर ट्रेनर्स एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर ध्रुव ने कहा कि शासन की योजनाओं का मूल उद्देश्य जनजातीय समुदाय को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पात्र परिवारों और समुदायों तक समय पर पहुँचाना सुनिश्चित किया जाए। आदि कर्मयोगी कार्यक्रम के अंतर्गत जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर पर व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ध्रुव ने अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार कर निर्धारित समय सीमा में प्रशिक्षण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से अधिकारियों, कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों की कार्यकुशलता और दक्षता में वृद्धि होगी, जिससे योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा। कलेक्टर ने विभागीय समन्वय को मज़बूत करने और जमीनी स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग प्रणाली विकसित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन तभी संभव है, जब सभी विभाग मिलकर सामूहिक प्रयास करें। बैठक में डिप्टी कलेक्टर रविशंकर वर्मा, मास्टर ट्रेनर्स एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम अंतर्गत जिले में चलाया जाएगा शिशु संरक्षण माह

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेएल उइके के निर्देशन में राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम अन्तर्गत शिशु संरक्षण माह 29 अगस्त से 30 सितंबर 2025 तक मनाया जाएगा। इस दौरान जिले के सभी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाई जाएगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. जेके सिंह ने बताया कि शिशु संरक्षण माह के दौरान सत्र का आयोजन मंगलवार और शुक्रवार को किया जाएगा। एक माह तक चलने वाले अभियान को लेकर जिला स्वास्थ्य विभाग ने तैयारी प्रारंभ कर दी है। सभी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में सुबह 09 बजे से शाम 04 बजे तक ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बच्चों को विटामिन ए सिरप, आयरन सिरप, बच्चों का वजन तथा आंगनबाड़ी स्थित सत्रों में संपूरक पोषण आहार की सेवाओं का हितग्राहियों की पात्रता और पोषण तत्वों की आवश्यकता के अनुरूप उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही अति गंभीर कुपोषित बच्चों को चिन्हांकित कर पोषण पुनर्वास केन्द्रों में पोषण आहार की प्रदायगी समेत संक्रमण के उपचार के लिए तत्काल व्यवस्था किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में 1994 टीकाकरण सत्रों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जिले में 09 माह से 05 वर्ष के कुल लक्षित 77291 बच्चों को विटामिन ए एवं 06 माह से 05 वर्ष के कुल लक्षित 81 हजार 838 बच्चों को आयरन सिरप की दवा एक एमएल सप्ताह में दो बार दी जाएगी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं अन्य विभागों के समन्वय से इस अभियान को सफल बनाया जा रहा है।

विकास के लिए प्रतिबद्ध डबल इंजन की सरकार : तोखन साहू

अटल जी के आशीर्वाद से तेजी से आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़ : अरुण साव

- रतनपुर में 4 करोड़ से ज्यादा के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन
- 1.67 करोड़ से बनेगा नया नगर पालिका कार्यालय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू तथा उप मुख्यमंत्री और बिलासपुर जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने आज रतनपुर नगर पालिका में 4 करोड़ रुपए से ज्यादा के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें एक करोड़ 67 लाख 70 हजार रुपए की लागत से नगर पालिका के नवीन कार्यालय का भूमिपूजन, 30 लाख रुपए की लागत से अटल परिसर निर्माण एवं 48 लाख 66 हजार रुपए की लागत से आश्रय स्थल का लोकार्पण शामिल हैं।

रतनपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत एक करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से 76 कार्य स्वीकृत हुए हैं। दोनों अतिथियों ने इनमें से 5-5 हितग्राहियों को अनुज्ञा पत्र और पूर्ण हो चुके आवास के लिए आवास की चाबी सौंपी। कार्यक्रम में बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव, रतनपुर नगर पालिका अध्यक्ष लवकुश कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी भी शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि आज हमने अटल परिसर का लोकार्पण किया है। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल जी का व्यक्तित्व सबसे ऊंचा है। उन्हें विपक्ष के लोग भी सम्मान देते थे। गांव में विकास की क्रांति लाने में उनका अमूल्य योगदान है।

उन्होंने किसानों को साहूकारों के चंगुल से छुटकारा दिलाया। किसान क्रेडिट योजना किसानों के लिए वरदान साबित हुई। श्री साहू ने कहा कि डबल इंजन की सरकार से सभी को फायदा हुआ है। रतनपुर को तालाबों की नगरी कहा जाता है। तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिए हम कार्य कर रहे हैं। रतनपुर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण है। छत्तीसगढ़ की प्राचीन राजधानी और आदिशक्ति मां महामाया धाम में हमने आज अटल परिसर का लोकार्पण किया है। हमारी सरकार सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर बना रही है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि अटल जी छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता हैं। आज यदि छत्तीसगढ़ विकास की ओर बढ़ रहा है तो अटल जी के कारण ही बढ़ रहा है। उन्होंने गांवों, गरीबों और किसानों की तरक्की के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। श्री साव ने रतनपुर में विकास कार्यों के लिए 4 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने नगर पालिका के पदाधिकारियों और अधिकारियों से कहा कि आप लोग तुरंत प्रस्ताव बनाकर भेजिए। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा तत्काल इन प्रस्तावों को मंजूर कर राशि जारी की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि इस वर्ष को हमने अटल निर्माण वर्ष घोषित किया है। राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रतनपुर में हमने भीषण पेयजल के संकट को दूर किया है। हमारी सरकार बनने के बाद यहां लगातार विकास के काम हो रहे हैं। यहां लगभग 2900 आवास स्वीकृत हुए हैं जिनमें से 2296 आवास पूर्ण हो चुके हैं। रतनपुर के वैभव के अनुरूप ही इसे संवारने के लिए हमने वृहद कार्ययोजना बनाई है। कार्यक्रम में उन्होंने रतनपुर के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया और किताब का भी विमोचन किया।

लोकार्पण+भूमिपूजन कार्यक्रम को बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला और कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष बीनू निराला, कोटा जनपद अध्यक्ष सूरज साधेलाल भारद्वाज, सीएमओ के.के. पटेल, रामदेव कुमावत, दीपक सिंह और मोहित जायसवाल सहित पार्षदगण, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ देश का ऑक्सीजोन: वनमंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का अक्सीजोन है। यह प्रकृति का आशीर्वाद है कि हमारा राज्य वनों से भरपूर है। उन्होंने कहा कि वनों से आच्छादित बस्तर क्षेत्र में जन्म लेने का अवसर मिला। वनों को हमारे पूर्वजों ने सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर के रूप संरक्षित किया है। वनोपज यहां जीविकोपार्जन का साधन है। इसलिए वनों का संरक्षण करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। साथ ही आगामी पीढ़ी को भी इसके महत्व से भली-भांति अवगत कराना है। ये बातें वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज बस्तर जिले के आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला जामावाडा में आयोजित जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम में कही।

वनमंत्री कश्यप ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि पूरे प्रदेश में वनाच्छादन में वृद्धि के मामले में हमारा राज्य देश में प्रथम स्थान पर है। भारत सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक 68000 हेक्टेयर में वनाच्छादन में वृद्धि हुई है।

इस अवसर पर वनमंत्री केदार कश्यप ने किसान वृक्ष मित्र योजना के वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 के 1483 हितग्राहियों का 92 लाख रूपए की राशि का चेक वितरित किया। कार्यक्रम में विधायक किरण सिंह देव ने भी अपने सम्बोधन में वनों के महत्व को विस्तार से बताया। रजत जयंती वर्ष में आयोजित पर जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम में विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, बेवरेज कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्रीनिवास राव मद्दी, नगर निगम सभापति खेम सिंह देवांगन, अन्य जनप्रतिनिधि वेद प्रकाश पांडे, रूप सिंह मंडावी सहित सीसीएफ आर दुग्गा सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि ने स्कूल परिसर में एक पेड़ माँ के नाम पर वृक्षारोपण किया।

छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में स्थापित होगी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 25 फीट से ऊंची भव्य प्रतिमा

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर की कार्यवाही की अनुशंसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नवा रायपुर स्थित नवनिर्मित विधानसभा भवन परिसर में भारतीय संविधान के शिल्पकार, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 25 फीट से ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित करने हेतु मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की अनुशंसा की है।

डॉ. सिंह ने मुख्यमंत्री से लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में शीघ्र आवश्यक निर्देश जारी करने का भी आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने गठन के 25 वर्षों की यात्रा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। संविधान में निहित स्वतंत्रता, समता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांतों से प्रेरित होकर यह राज्य समावेशी विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित विधानसभा परिसर में प्रस्तावित डॉ. अंबेडकर की यह भव्य प्रतिमा न केवल संविधान निर्माता को यथोचित सम्मान अर्पित करेगी, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए सामाजिक समता, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रेरणा का प्रतीक भी बनेगी। उल्लेखनीय है कि बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर 12 दिसंबर 1945 को रायपुर आए थे और वर्तमान माधवराव सप्रे शाला परिसर (तात्कालीन लॉरी स्कूल) में ऐतिहासिक जनसभा को संबोधित किया था। इस यात्रा ने छत्तीसगढ़ की धरती को उनके विचारों और व्यक्तित्व से सशक्त बनाया।

यह पहल डॉ. अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी (ए.डब्ल्यू.एस.) की ओर से की गई है। सोसाइटी के चेयरमैन दिलीप वासनीकर एवं प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष से विगत दिनो मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने राज्य स्थापना के रजत महोत्सव वर्ष में यह प्रतिमा स्थापित करने का निवेदन करते हुए इसे सामाजिक समता और लोकतांत्रिक मूल्यों के संवर्द्धन की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

डॉ. रमन सिंह ने ए.डब्ल्यू.एस. की इस पहल को पूर्ण समर्थन देते हुए कहा कि इस प्रतिमा की स्थापना से छत्तीसगढ़ की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर एक समावेशी और संवेदनशील राज्य के रूप में और भी सशक्त होगी।

वनमंत्री कश्यप ने 3.74 करोड़ रुपए से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर जिले के ग्राम सुधापाल में आयोजित एक कार्यक्रम में 3 करोड़ 74 लाख रूपए के 6 विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कश्यप ने कहा कि ये विकास कार्य से क्षेत्र के लोगों का जीवन बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व हमारी सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि आज बस्तर की इस पावन धरा पर 3 करोड़ 74 लाख रूपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह सिर्फ एक भूमिपूजन नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास और जन-कल्याण के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। हमारा मुख्य लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले हर व्यक्ति को विकास से जोड़ना है। यह पुल और सड़क का निर्माण न केवल आवागमन को सुगम बनाएगा, बल्कि किसानों और व्यापारियों को भी अपनी उपज मंडियों तक आसानी से पहुंचाने में मदद करेगा।

वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि विभिन्न स्कूलों में नए भवनों का निर्माण हमारे बच्चों के भविष्य में किया गया निवेश है। अच्छी शिक्षा ही किसी भी समाज की प्रगति का आधार होती है और हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिले। इससे हमारे बच्चों को ज्ञान की रोशनी से जोड़ने का काम करेंगे। मंत्री श्री कश्यप ने लोगों से अपील करते हुए कहा इन विकास कार्यों को सफल बनाने में आप सभी का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह परियोजनाएं सिर्फ सरकार की नहीं, बल्कि आप सभी की हैं। हम सब मिलकर सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को साकार करेंगे। मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि हमारी सरकार आपकी हर समस्या को प्राथमिकता से सुनेगी और उसका समाधान करेगी।

वनमंत्री केदार कश्यप ने इस अवसर पर विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया, जिसके अंतर्गत पाथरी से सुधापाल मार्ग पर 2 करोड़ 87 लाख रूपए की लागत से पुल-पुलिया सहित सड़क निर्माण कार्य, 3 लाख 30 हजार रूपए की लागत से आमाडोंगरीपारा स्कूल मार्ग में बलियाराम मंडवी के घर के पास पुलिया निर्माण, 21 लाख 59 हजार रूपए की लागत से नारायणपाल में उच्च प्राथमिक शाला का नवीन भवन, 21 लाख 59 हजार रूपए की लागत से गुनपुर में उच्च प्राथमिक शाला के नवीन भवन का निर्माण, 20 लाख 30 हजार रूपए की लागत से जाटनापाल में प्राथमिक शाला के नवीन भवन और 20 लाख 30 हजार रूपए की लागत से रतेंगा में प्राथमिक शाला के नवीन भवन का निर्माण कार्य शामिल है।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य निर्देश दीवान, जनपद पंचायत सदस्य गौरव कश्यप सहित जनप्रतिनिधिगण और विभागीय अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

स्व सहायता समूह की महिलाएं स्वयं आत्मनिर्भर बनकर दूसरी महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्व सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में बिहान योजना के अंतर्गत स्व सहायता समूहों की महिलाएँ आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। कांसाबेल विकासखंड की रीमा स्व सहायता समूह इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। लगभग आठ वर्षों से सक्रिय यह समूह शुरुआती दौर में मात्र 100-100 रुपये की मासिक बचत से शुरू हुआ था, लेकिन आज यह 35 शासकीय स्कूलों को मध्यान्ह भोजन के लिए राशन उपलब्ध कराने का कार्य कर रहा है। समूह की अध्यक्ष सविता चौहान ने बताया कि इस कार्य से हर वर्ष 1 लाख रुपये से अधिक की आय हो रही है, जिससे सभी 10 महिलाएँ आर्थिक रूप से सशक्त बनी हैं। समूह ने 1.5 लाख रुपये का ऋण लिया, जिसे सदस्यों ने अपने निजी जरूरतों में उपयोग कर अपनी आजीविका को और सुदृढ़ किया। उन्होंने बताया कि समूह से जुड़ने के बाद अब उन्हें किसी से आर्थिक सहायता मांगने की आवश्यकता नहीं पड़ती। महिलाएँ स्वरोजगार के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में बिहान योजना प्रदेश की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

बिग बॉस 19 में नीलम गिरी हुई नामिनेट

आम्रपाली दुबे ने फैंस से की वोट देने की अपील

टीवी रियल्टी शो बिग बास 19 की शुरुआत जितनी धमाकेदार हुई है, उतनी ही तेजी से अब शो में कंटेस्टेंट्स के रिश्ते, लड़ाइयों और नामिनेशन का दौर भी देखने को मिल रहा है। इस बार शो में एक से बढ़कर एक सेलेब्रिटी शामिल हुए हैं, लेकिन इनमें भोजपुरी इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस नीलम गिरी का नाम सबसे अलग है।

नीलम अपनी सादगी और अपनेपन से दर्शकों के दिल में जगह बना रही हैं, लेकिन शो की स्ट्रेटेजी और घर में रह रहे कंटेस्टेंट्स की गुटबाजी का असर उन पर भी साफ नजर आ रहा है। पहले ही हफ्ते में नीलम गिरी नामिनेट हो गई हैं, जिससे उनके चाहने वालों को झटका लगा है। ऐसे में भोजपुरी इंडस्ट्री की एक और बड़ी एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे उनके समर्थन में खुलकर सामने आई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए फैंस से नीलम के लिए वोट की अपील की है।

आम्रपाली दुबे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में वह बताती हैं कि शूटिंग के बाद उन्होंने सीधे बिग बास 19 देखा है। उन्होंने कहा कि जैसे ही उन्हें नीलम गिरी के नामिनेट होने की खबर मिली, उन्होंने तुरंत वोट कर दिया। वीडियो में आम्रपाली कहती हैं, मेरा अभी-अभी शूट का पैकअप हुआ है। पैकअप होते ही मैंने कास्ट्यूम भी नहीं बदली और सीधे बिग बास देखना शुरू कर दिया, क्योंकि जैसा कि हम सब जानते हैं कि हमारी इंडस्ट्री की नीलम गिरी वहां गई हैं। मुझे पता चला कि नीलम नामिनेट हो गई हैं तो मैंने उन्हें वोट कर दिया है।

आम्रपाली दुबे ने अपने फैंस और भोजपुरी दर्शकों से अपील करते हुए कहा, मेरा आप सबसे निवेदन है कि आप भी नीलम को वोट करें। उसे बिग बास के घर में रहकर अपने आप को साबित करने का समय और मौका दें।

आम्रपाली का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और उनके फैंस भी इस अपील पर जमकर कमेंट कर रहे हैं।

बिग बास के घर में इस हफ्ते काफी उथल-पुथल देखने को मिली। नामिनेशन की प्रक्रिया के दौरान घरवालों ने खुलकर एक-दूसरे के नाम लिए और उसके पीछे की वजहें भी बताईं। इस बार नीलम गिरी के साथ जिन अन्य सदस्यों को नामिनेट किया गया है, उनमें तान्या मित्तल, अभिषेक बजाज, गौरव खाा, जीशान कादरी, प्रणीत मोरे और नतालिया का नाम शामिल है। कई कंटेस्टेंट्स ने नीलम को साफ्ट टारगेट बताया और कहा कि वो अभी तक खुद को ठीक से साबित नहीं कर पाई हैं। कुछ ने यह भी आरोप लगाया कि वह दूसरे कंटेस्टेंट्स के असर में रहती हैं और खुद का कोई मजबूत स्टैंड नहीं लेतीं। हालांकि नीलम का कहना है कि वह बराबरी से गेम खेल रही हैं और धीरे-धीरे अपनी जगह बना रही हैं।

ब्लू साड़ी में श्रीलीला का सिजलिंग अंदाज

हॉट तस्वीरों से इंटरनेट पर लगाई आग

पुष्पा 2 : द रूल में किसिक सान्ग में नजर आने के बाद साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला की पापुलैरिटी में जबरदस्त इजाफा हुआ है। इन दिनों श्रीलीला अपनी अपकमिंग फिल्म राबिनहुड के प्रमोशन में बिजी हैं। इसी बीच एक्ट्रेस ने अपना ग्लैमरस लुक फैंस के साथ शेयर किया है।

श्रीलीला ने आइस ब्लू कलर की नेट वाली साड़ी में अपनी कुछ दिलकश तस्वीरें शेयर की है। साड़ी के साथ श्रीलीला ने मैचिंग कलर का स्टाइलिश बैकलेस ब्लाउज कैरी किया है।

साड़ी के साथ श्रीलीला का पर्ल डिजाइन वाला ब्लाउज उनके लुक में चार चांद लगा रहा है। तस्वीरों में श्रीलीला एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं।

श्रीलीला ने ग्लासी मेकअप और खुले बालों के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने कानों में लान्ग ईयररिंग्स कैरी किए हैं।

श्रीलीला का यह हाट ट्रेडिशनल लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। श्रीलीला ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साउथ की फिल्मों से की थी, उन्होंने कई दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम किया है।

बॉक्स आफिस पर वार 2 की दैनिक कमाई में गिरावट जारी, 14वें दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म वार 2 से निर्माताओं को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन यह दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए संघर्ष कर रही है। हर गुजरते दिन के साथ इस फिल्म की कमाई बाक्स आफिस पर घटती जा रही है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन, जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी की तिड़की देखने को मिल रही है। अब वार 2 की कमाई के 14वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जिसमें गिरावट दर्ज की गई।

बाक्स आफिस का लेखा-जोखा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, वार 2 ने अपनी रिलीज के 14वें दिन 2.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसी के साथ इस फिल्म ने अब तक भारत में 229.75 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। 400 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म वार 2 ने दुनियाभर में 350 करोड़ रुपये से अधिक कमाए हैं। आदित्य चोपड़ा इस फिल्म के निर्माता हैं। आशुतोष राणा ने भी फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है।

बता दें कि बाक्स आफिस पर वार 2 का सामना सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली और एनिमेटेड फिल्म महावतार नरसिम्हा से हो रहा है। जहां महावतार नरसिम्हा पहले दिन से ही बाक्स आफिस पर धमाल मचा रही है, वहीं कुली की बाक्स आफिस पर हालत पस्त है। इसके अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की फिल्म परम सुंदरी 29 अगस्त, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। करण जौहर इस फिल्म के निर्माता हैं।

मनीष मल्होत्रा की डिजाइनर साड़ी पहने लालबागचा राजा के दर्शन के लिए पहुंची जान्हवी कपूर

बालीवुड में भी गणपति बप्पा की धूम चारों ओर छाई हुई है। हर साल की तरह इस बार भी सितारे बप्पा के दर्शन के लिए अलग-अलग मंदिरों में पहुंच रहे हैं। बड़े-बड़े सेलेब्स लालबागचा राजा के दरबार में दर्शन के लिए आ रहे हैं, और अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स की सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

इसी बीच गुरुवार को एक खास नजारा देखने को मिला, जब बालीवुड की खूबसूरत अदाकारा जान्हवी कपूर और एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने लालबागचा राजा के दरबार में हाजिरी लगाई। दोनों ने अपनी अपकमिंग फिल्म परम सुंदरी की सफलता की कामना करते हुए गणपति बप्पा से आशीर्वाद लिया। इस मौके पर जान्हवी कपूर के लुक ने सबका ध्यान खींचा।

जान्हवी कपूर ने इस खास मौके की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर भी साझा की हैं। इन तस्वीरों में जान्हवी बेहद खूबसूरत रेड कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं। इस साड़ी का चौड़ा गोल्डन बार्डर और उस पर बने सुंदर फूलों के प्रिंट उनकी खूबसूरती को और निखार रहे हैं।

यह खास साड़ी किसी और ने नहीं बल्कि बालीवुड के फेमस फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन की है। जान्हवी ने इस साड़ी के साथ डीप राउंड नेक वाला ट्रेडिशनल ब्लाउज पहना हुआ है, जो उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है।

उन्होंने अपने लुक को पूरा करने के लिए नगों से जड़े ईयररिंग्स पहने, साथ ही मराठी स्टाइल की नथ भी पहनी। माथे पर लाल रंग की बिंदी और हाथों में सजे कंगनों के साथ उन्होंने पारंपरिक अंदाज में बालों की मोटी चोटी बनाई।

इन तस्वीरों में जान्हवी सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ लालबागचा राजा की मूर्ति के सामने हाथ जोड़कर खड़ी नजर आ रही हैं। उन्होंने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, गणपति बप्पा मोरया।

उनके पोस्ट पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। कोई उन्हें देवी जान्हवी कह रहा है, तो कोई उनके साड़ी लुक की तारीफ करते हुए लिख रहा है कि आप साड़ी में बहुत सुंदर लगती हो। वहीं, कुछ फैंस ने लिखा कि बप्पा का आशीर्वाद है, अब फिल्म जरूर हिट होगी।

रसोई को तेजी से साफ करने के लिए अपनाएं ये 5 सरल तरीके

रसोई घर का सबसे अहम हिस्सा होती है और इसे साफ-सुथरा रखना बहुत जरूरी है। हालांकि, कई बार काम की व्यस्तता के कारण हम रसोई की सफाई पर ध्यान नहीं दे पाते। ऐसे में कुछ आसान और प्रभावी तरीकों को अपनाकर आप अपनी रसोई को जल्दी और आसानी से साफ कर सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे सुझाव देंगे, जिनसे आपकी रसोई हमेशा चमकती रहेगी और सफाई में ज्यादा समय भी नहीं लगेगा।

बिखरे सामानों को व्यवस्थित करें

सबसे पहले अपनी रसोई में फैले हुए सभी सामानों को एक जगह इकट्ठा करें। इससे आपको यह पता चलेगा कि कौन-कौन से सामान जगह पर नहीं रखे गए हैं और उन्हें कहां-कहां रखना है। इससे समय की बचत होगी और रसोई की सफाई भी जल्दी होगी। इसके बाद बर्तनों को धोकर सही जगह पर रखें और अन्य सामान को भी उनके निर्धारित स्थान पर रखें ताकि रसोई व्यवस्थित दिखे।

सतहों को साफ करें

रसोई की सतहें जैसे काउंटरटाप्स, चूल्हा और सिंक आदि को साफ करना बहुत जरूरी है। इसके लिए सबसे पहले एक गीले कपड़े से इन सभी सतहों को पोंछ लें। इसके बाद किसी अच्छे सफाई के लिए उपयोगी तरल का उपयोग करके इनकी सफाई करें। अगर आपके पास यह नहीं है तो आप नींबू के रस और पानी का मिश्रण बनाकर भी इनकी सफाई कर सकते हैं। यह मिश्रण न केवल सफाई करेगा बल्कि कीटाणुओं को भी खत्म करेगा।

बर्तनों को धोएं

बर्तनों को धोना रसोई की सबसे अहम जिम्मेदारियों में से एक है। इसके लिए पहले गर्म पानी में बर्तनों की सफाई के लिए उपयोगी तरल मिलाकर एक घोल तैयार करें, फिर इसमें बर्तनों को डालकर थोड़ी देर छोड़ दें ताकि गंदगी ढीली हो जाए। इसके बाद एक स्पंज या ब्रश की मदद से बर्तनों को अच्छे से रगड़ें और साफ पानी से धो लें। अंत में बर्तनों को सूखे कपड़े से पोंछकर धूप में सुखाने के लिए रख दें।

फर्श की सफाई करें

रसोई के फर्श की सफाई करना भी बहुत जरूरी है क्योंकि यहां गंदगी सबसे ज्यादा होती है। इसके लिए पहले किसी झाड़ू या वैक्यूम की मदद से रसोई के फर्श को अच्छे से साफ करें ताकि सारी धूल-मिट्टी हट जाए। इसके बाद गंदे फर्श पर पानी डालकर कुछ देर छोड़ दें, फिर किसी साफ कपड़े या झाड़ू की मदद से उसे पोंछ लें। इससे आपका रसोई का फर्श चमक उठेगा।

कचरा निकालें

रसोई से कचरा निकालना बहुत अहम है ताकि कीटाणुओं का खतरा कम हो सके। इसके लिए पहले रसोई में लगे हुए कूड़ेदान को चेक करें कि उसमें कितना कचरा भरा हुआ है। अगर वह भर गया हो तो उसमें भरे हुए कचरे को बाहर निकालकर उसे किसी खुले स्थान पर रखें ताकि उसे आसानी से फेंका जा सके। इस तरह इन पांच आसान तरीकों को अपनाकर आप अपनी रसोई को जल्दी और प्रभावी ढंग से साफ रख सकते हैं।

चमकदार-घने बालों के लिए महंगे-महंगे हेयर ट्रीटमेंट्स की जरूरत नहीं, घर पर ऐसे बनाएं सीरम

लंबे और घने बालों के लिए लोग अक्सर महंगे-महंगे हेयर प्रोडक्ट्स पर अच्छे खासे पैसे खर्च करते हैं। लेकिन अगर आप चाहें, तो घर पर ही एक हेयर सीरम की रेसिपी को फालो कर अपने बालों को लंबा, घना और शाइनी बना सकते हैं। इस हेयर सीरम को बनाना बेहद आसान है और सबसे अच्छी बात ये है कि इस हेयर सीरम को बनाने के लिए आपको किसी भी तरह के हार्ष केमिकल का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं है।

कैसे बनाएं हेयर सीरम?

घर पर हेयर सीरम बनाने के लिए आप एलोवेरा जेल और नारियल के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। दोनों ही चीजों में पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। सबसे पहले एक कटोरी में दो स्पून एलोवेरा जेल निकाल लीजिए। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए फ्रेश एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कीजिए। अब इसी कटोरी में एक स्पून नारियल के तेल को मिला लीजिए।

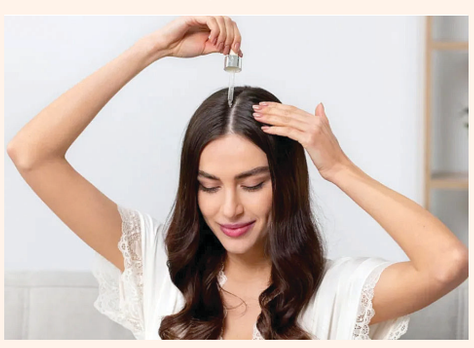

इस्तेमाल करने का तरीका

आइए इस हेयर सीरम को हेयर केयर रूटीन में शामिल करने के तरीके के बारे में जानते हैं। हेयर सीरम को लगाने के लिए सबसे पहले हेयर वाश के बाद अपने बालों को तौलिए से सुखा लीजिए। अब अपनी हथेली पर सीरम की कुछ बूंदें निकाल लीजिए और बीच से लेकर सिरों तक अप्लाई कर लीजिए। अब आप चौड़ी दांतों वाली कंघी से अपने बालों को सुलझा सकते हैं।

बालों के लिए फायदेमंद

बालों के डीप नरिशमेंट के लिए आप इस हेयर सीरम का इस्तेमाल कर सकते हैं। रूखे और बेजान बालों से छुटकारा पाने के लिए भी इस हेयर सीरम को यूज किया जा सकता है। एलोवेरा जेल और नारियल के तेल में पाए जाने वाले तत्व आपके बालों को चमकदार बनाने में भी मददगार साबित हो सकते हैं। इस हेयर सीरम को यूज कर आप अपने बालों की लंबाई को भी बढ़ा सकते हैं।

कांकेर जिले में नया पर्यटन केन्द्र बनकर उभर रहा 'धारपारूम'

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। प्राकृतिक सौंदर्य और नैसर्गिक खूबसूरती से परिपूर्ण कांकेर जिले में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। जिले की पहाड़ियों और वनों के बीच अनेक ऐसे स्थान स्थित हैं, जो अपनी अनूठी प्राकृतिक विशेषताओं से सैलानियों को आकर्षित करने की क्षमता रखते हैं। इन्हीं स्थलों में से एक नया पर्यटन स्थल 'धारपारूम' है, जो अपनी मनोरम घाटियों, व्यू प्वॉइंट, प्राकृतिक झरने और गुफाओं के कारण पर्यटकों की पहली पसंद बनता जा रहा है।

कांकेर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पीढ़ापाल के समीप स्थित धारपारूम, जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पहाड़ियों से घिरा यह क्षेत्र प्राकृतिक छटा से परिपूर्ण है।

यहां घाटीनुमा संरचना के साथ-साथ प्राकृतिक झरना, गुफा तथा पुरातात्विक महत्व के शैलचित्र भी देखने को मिलते हैं। वर्तमान में इस स्थल का संचालन एवं प्रबंधन सामुदायिक स्तर पर ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा है। ग्रामीणों की सहभागिता से यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं।

कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने धारपारूम क्षेत्र का अवलोकन करने के बाद इसे नवीन पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की दिशा में पहल करने की बात कही है। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर क्षेत्र की पृष्ठभूमि एवं ऐतिहासिक महत्व की जानकारी भी प्राप्त की।

गौरतलब है कि हाल ही में कुछ मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा इस क्षेत्र का भ्रमण कर इसके दृश्य सोशल मीडिया पर साझा किए गए, जिसके बाद यहां पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। सैलानियों का मानना है कि धारपारूम को केशकाल के टाटामारी से भी बड़ा हिल प्लेस के रूप में विकसित किया जा सकता है। धारपारूम का प्राकृतिक वैभव और इसकी अनुपम भौगोलिक संरचना इसे कांकेर जिले का उभरता हुआ पर्यटन स्थल बना रही है। प्रशासनिक सहयोग और ग्रामीणों की भागीदारी से यह क्षेत्र निकट भविष्य में जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बनायेगा।

आदि कर्मयोगी अभियान : 17 सितम्बर से चलेगा आदि सेवा पखवाड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदि कर्मयोगी अभियान के तहत बलौदाबाजार जिले के आदिवासी बाहुल्य 46 ग्राम पंचायतों में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक आदि सेवा पखवाड़ा चलाया जाएगा। इसमें विभागीय अधिकारी -कर्मचारी द्वारा लोगों की समस्या एवं शिकायतों का निरकारण करने के साथ ही जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किये जाएंगे। कलेक्टर दीपक सोनी ने गुरुवार को जिला स्तरीय कार्यशाला में ऑनलाइन माध्यम से अभियान के सम्बन्ध में जरूरी निर्देश दिये।

कलेक्टर ने कहा कि सभी सम्बधित विभाग योजनाओं का शतप्रतिशत लाभ पहुंचाने मिशन मोड़ में काम करें। फिल्ड में कर्मचारियों की मौजूदगी हो। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर विकासखंड एवं ग्राम स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित करें। स्व सहायता समूहों को आजीविका गतिविधियों से जोड़ें।

बताया गया कि जिले में आदि कर्मयोगी अभियान के तहत 46 ग्राम पंचायतों के हितग्राहियो का चिन्हांकन कर लिया गया है। इसके साथ ही इन ग्राम पंचायत के सरपंच व सचिव का ओरिएंटेशन कार्यक्रम भी कराया गया है। अभियान के तहत प्रत्येक चयनित ग्राम में आदि सेवा केंद्र स्थापित किये जाएंगे जो शासकीय सेवाओं की प्रदायगी एयर जनभागीदारी को बढ़ावा देने का केंद्र बनेंगे। चरणबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि, एनजीओ, स्वयं सेवी संगठन और युवाओं को शामिल किया जाएगा। आदि कर्मयोगी अभियान के तहत विकास कार्य तीन स्तर पर क किया जाएगा जिसमें पहला आदि कर्मयोगी तैयार करना है। इसमें प्रशासनिक अमले से जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर तैयार किए जाएंगे। दूसरे क्रम में आदि सहयोगियों की टीम बनाई जाएगी।आदि सहयोगी ग्राम स्तर पर कार्य करेंगे जिसमें शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, चिकित्सक, युवा नेता, सामाजिक मुखिया जैसे व्यक्ति ग्राम के विकास की रूपरेखा व्यक्तिगतमूलक, पारिवारिकमूलक एवं समुदाय मूलक अनुसार तैयार करेंगे।

श्री रामलला दर्शन योजनाः आस्था, संस्कृति और सामाजिक चेतना का संगम

अयोध्या में प्रभु श्री रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला जशपुर जिले के 1632 रामभक्तों को

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रारंभ की गई श्री रामलला दर्शन योजना न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह प्रदेश की सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता का भी प्रतीक बन चुकी है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के नागरिकों को अयोध्या में स्थित भगवान श्री रामलला के दर्शन का सुअवसर प्रदान करना है। योजना की औपचारिक शुरुआत 5 मार्च 2024 को रायपुर से हुई थी, जब मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वयं पहली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

जशपुर जिले में योजना प्रारंभ से अब तक 1632 रामभक्तों ने अयोध्या जाकर भगवान श्री राम का दर्शन लाभ ले चुके हैं। जिसमें जनपद पंचायत क्षेत्र जशपुर से 134 जनपद पंचायत क्षेत्र मनोरा से 95 रामभक्त शामिल हैं। इसी प्रकार जनपद पंचायत क्षेत्र बगीचा से 168, नगर पालिका क्षेत्र जशपुर से 83, नगर पंचायत क्षेत्र बगीचा से 58, जनपद पंचायत क्षेत्र कुनकुरी से 172, जनपद पंचायत क्षेत्र दुलदुला से 110, जनपद पंचायत क्षेत्र फरसाबहार से 179, नगर पंचायत क्षेत्र कुनकुरी से 109, जनपद पंचायत क्षेत्र पत्थलगांव से 220, जनपद पंचायत क्षेत्र कांसाबेल से 165 राम भक्त शामिल हैं स नगर पालिका क्षेत्र पत्थलगांव से 82 और नगर पंचायत क्षेत्र कोतबा से 57 रामभक्त अयोध्या में भगवान श्री राम का दर्शन कर चुके हैं। रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलता है, जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने, वहां रहने की व्यवस्था, मंदिर दर्शन, नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहती है।

छत्तीसगढ़ भगवान श्री राम का ननिहाल है, यहां के लोग उन्हें भांचा राम के नाम से भी जानते हैं। भगवान श्री राम के प्रति आस्था प्रदेश के कण-कण में व्याप्त है। अयोध्या में भगवान श्री राम के दर्शन के बाद लोग अपने आप को धन्य महसूस करते हैं। दर्शन के बाद रामभक्तों के चेहरे पर झलकती संतुष्टि और आत्मिक खुशी शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और उनकी सरकार के प्रति कृतज्ञता का भाव उनमें साफ झलकता है। श्री रामलला दर्शन योजना प्रदेश की नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने और श्री राम के आदर्शों को सामाजिक चेतना में पुनः स्थापित करने का सशक्त माध्यम बन रही है। ट्रेन रवाना करते समय बजते भजन, भगवान श्री राम की जयकारे की गूंज, यात्रियों के चेहरे से झलकती खुशी आस्था और सांस्कृतिक उत्सव का वातावरण रचते हैं।

श्री रामलला दर्शन योजना श्रद्धा, आस्था और भक्ति का ऐसा आध्यात्मिक अभियान है, जो छत्तीसगढ़ के लोगों के जीवन में नए उत्साह और विश्वास का संचार कर रहा है। यह योजना मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रारंभ की गई, जो उनकी दूरदर्शिता और लोककल्याणकारी सोच का जीवंत उदाहरण है। इस योजना के माध्यम से हजारों श्रद्धालु अयोध्या जाकर भगवान श्रीरामलला के जन्मस्थान के दर्शन कर चुके हैं। श्री रामलला दर्शन योजना केवल एक तीर्थयात्रा नहीं, बल्कि भगवान श्री राम के प्रति आस्था और उनके आदर्शों को अपने जीवन मूल्य में अपनाने की एक पहल भी है।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से मिला गांवों को नया जीवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बिलासपुर जिले के बिल्हा विकासखंड में बहतराई से परसाही मार्ग होते हुए बिजौर तक लगभग साढ़े छह किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण एक करोड़ 79 लाख रुपये की लागत से पूर्ण किया गया है। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को उबड़-खाबड़ मार्ग की समस्या से मुक्ति मिल गई है। अब आवागमन सुगम होने के साथ-साथ ग्रामीण अंचल के विकास की रफ्तार भी तेज हुई है। इस सड़क का लाभ तीन गांवों के हजारों ग्रामीणों को मिल रहा है। स्थानीय लोगों ने इस सुविधा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

ग्रामीणों का कहना है कि पहले यह सड़क पूरी तरह गड्ढों से भरी और उखड़ी हुई थी। पहले बारिश के दिनों में कीचड़ और पानी भरने से आवागमन कठिन हो जाता था। इससे स्कूल जाने वाले बच्चों, बीमार लोगों और शहर में कामकाज के लिए जाने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

स्थानीय किसान सहदेव कौशिक ने बताया कि सड़क बनने से फसल को शहर तक ले जाना आसान हो गया है। पहले खराब रास्तों के कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य वाहन फँस जाते थे, जिससे समय और धन दोनों का नुकसान होता था। वहीं छात्र युग भार्गव ने कहा कि सड़क बनने से विद्यालय आने-जाने में कठिनाई समाप्त हो गई है और दुर्घटनाओं का खतरा भी काफी कम हो गया है। गाँव के बुजुर्गों का कहना है कि यह सड़क उनके लिए जीवन रेखा साबित हो रही है।

सड़क निर्माण से बहतराई, परसाही और बिजौर क्षेत्र के ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। अब आवागमन आसान हो गया है, समय की बचत हो रही है और दुर्घटनाओं में कमी आई है। भारत सरकार ने 25 दिसंबर 2000 को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत की थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य 500 या उससे अधिक आबादी वाले गाँवों (पहाड़ी और रेगिस्तानी क्षेत्रों में 250 आबादी वाले गाँवों) को हर मौसम में उपयोगी सड़कों से जोड़ना है। योजना के अंतर्गत सड़कों का निर्माण एवं रख-रखाव की भी जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाती है, ताकि ग्रामीणों को लंबे समय तक सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

कड़ी मेहनत से सफलता जरूर मिलेगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के सरगुजा जिला के अम्बिकापुर स्थित मल्टी पर्पस परिसर में युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षा के मार्गदर्शन हेतु संचालित 'सरगुजा 30' निःशुल्क कोचिंग सेंटर कलेक्टर सरगुजा पहुंचकर बच्चों से आत्मीय संवाद किया । उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं से उनकी पढ़ाई की प्रगति, पुस्तकों की उपलब्धता, छात्रावास की सुविधा तथा अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों का प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए लक्ष्य निर्धारित करना आवश्यक होता है और उसके लिए निरंतर लगन से परिश्रम करना आवश्यक है। कड़ी मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे तभी सफलता मिलेगी। उन्होंने छात्रों को समय का सदुपयोग करने और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में अनुशासन बनाए रखने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने नकारात्मक विचारों से दूर रहते हुए आत्मविश्वास और लगन से पढ़ाई करने को प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने उपस्थित शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों के भविष्य निर्माण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उन्हें बेहतर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिलनी चाहिए।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी, प्रतियोगी परीक्षा के मार्गदर्शन हेतु संचालित 'सरगुजा 30' निःशुल्क कोचिंग सेंटर शिक्षकगण सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई भिलाई नगर की नई कार्यकारिणी की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) इकाई भिलाई नगर की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम में नव-नियुक्त पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए छात्रहित और संगठन के उद्देश्यों को और सशक्त बनाने का आह्वान किया गया। घोषणा के अनुसार अक्षय मिश्रा को भिलाई नगर का नगर सह मंत्री बनाया गया है, वहीं पृथ्वी प्रताप सिंह को महाविद्यालय प्रमुख की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नगर अध्यक्ष के रूप में त्रिलोश दूबे का चयन किया गया, जबकि नगर मंत्री का दायित्व आकाश साहू को दिया गया है। इसके साथ ही उमंग वर्मा और कार्तिक शर्मा को नगर सह मंत्री, दीपक साहू को कार्यालय मंत्री, आदित्य तिवारी को तकनीकी प्रमुख और हर्षित भारद्वाज को तकनीकी सह प्रमुख नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार अंकित सिंह को छात्रावास प्रमुख, पोषण जोशी को फार्मा विजन प्रमुख, हरमन सिंह संधू को मीडिया प्रमुख और विशाल सिंह को सोशल मीडिया प्रमुख बनाया गया है। संगठन की अन्य इकाइयों में भी जिम्मेदारियाँ दी गई हैं, जिनमें आस्था वर्मा को आरकेएम प्रमुख, श्रुति सिंह को आरकेएम सह प्रमुख, दिव्या वर्मा को एसएफ्डी प्रमुख, धीरज को एसएफ्डी सह प्रमुख, वेदांश सिंह को खेल प्रमुख तथा राजीव गोखले को मेडिविजन प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा प्रोत्साहन सिंह को महाविद्यालय सह प्रमुख, वेदांश चिनचोलकर को विद्यालय प्रमुख, साई को विद्यालय सह प्रमुख और प्रसमजीत सेनगुप्ता को स्टडी सर्किल प्रमुख नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों में आदित्य असाटकर, अर्पित कुमार, पुष्कर इस्दा, रमन तिवारी, प्रांजल माथुरकर, वेदांत ठाकुर, पुष शुक्ला और अंकित पांडेय शामिल हैं।

घोषणा कार्यक्रम में विभाग संगठन मंत्री हिमांशु मिश्रा, विभाग संयोजक कुनाल प्रताप सिंह, नगर मंत्री आकाश साहू और जिला संयोजक प्रवीन यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नए पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन के कार्यों को और गति देने तथा छात्रहितों के लिए समर्पित होकर कार्य करने का संकल्प दिलाया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने विश्वास व्यक्त किया कि नई कार्यकारिणी संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने और छात्र-छात्राओं की समस्याओं के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

महतारी वंदन योजना से सरोज बनी आत्मनिर्भर, इस वर्ष तीज का पर्व बना खास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार की महतारी वंदन योजना से उन्हें हर महीने सीधे खाते में आर्थिक सहायता मिल रही है, जिसके कारण वे आज महिलाएं आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। कबीरधाम जिले के ग्राम चिमरा की महिला सरोज साहू के जीवन में इस बार तीज का त्यौहार खास बन गया है। कुछ समय पहले तक सरोज को घर के छोटे-छोटे खर्चों के लिए भी अपने पति से पैसे मांगने पड़ते थे। गांव की यात्रा हो या बच्चों की पढ़ाई के लिए जरूरी खर्च, हर बार उन्हें इंतजार करना पड़ता था। लेकिन जब से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार ने महतारी वंदन योजना शुरू की, उनकी जिंदगी बदल गई। अब राशि सीधे उनके खाते में आती है, जिससे वे बिना किसी झिझक के अपनी जरूरतें पूरी कर पा रही हैं।

सरोज साहू इस तीज पर खास खुशी से झूम रही हैं। कुछ समय पहले तक तीज का त्यौहार उनके लिए केवल घर-परिवार तक सीमित था, लेकिन महतारी वंदन की राशि से इस बार उन्होंने तीज के अवसर पर अपने लिए श्रृंगार का सामान, मायके वालों के लिए मिठाई और बच्चों के लिए खाने की वस्तुएं खरीदी है। सरोज बताती हैं कि अब मैं न केवल मायके जा रही हूँ, बल्कि अपने परिवार के लिए कुछ खास ले जाने की खुशी भी है। सरोज के चेहरे की चमक और आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण है कि आज वे आर्थिक रूप से सक्षम हैं।

खास खबर

प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण का प्रयास, आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज; जांच में जुटी पुलिस

बिलासपुर। बिलासपुर में एक बार फिर धर्मांतरण का गंभीर मामला सामने आया है। इस बार भी प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण का प्रयास किया जा रहा था। हिंदू संगठनों की दबिश और हंगामे के बाद पुलिस ने मामले में आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र के पेंड्री का है। जहां से हिन्दू संगठनों को सूचना मिली कि क्षेत्र के एक बंद पड़े पोल्ट्री फॉर्म में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया है। प्रार्थना सभा के आड़ में धर्मांतरण का खेल खेला जा रहा है। पुलिस को सूचना देते हुए हिन्दू संगठन ने मौके पर दबिश दी। यहां 15- 20 लोग प्रार्थना सभा में मौजूद मिले। पास्टर संजीव सूर्यवंशी सहित अन्य प्रार्थना सभा के जरिए चंगाई और धर्मांतरण का प्रयास कर रहे थे। मौके से दूसरे धर्म की किताब, डायरी भी जब्त की गई। पुलिस ने मामले में संजीव सूर्यवंशी सहित 8 लोगों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में एफ्आईआर दर्ज की है। आरोपियों को हिरासत लेकर पूछताछ की जा रही है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर बाइक लेकर फरार हुए बदमाश, जांच में जुटी पुलिस

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में मौसा के बेटे को लेने जा रहे युवक की बाइक लूट कर अज्ञात आरोपी फरार हो गए। शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर आरोपियों ने बेल्ट से एक युवक और उसके साथी की पिटाई करते हुए इस घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित ने थाने में उक्त मामले की रिपोर्ट लिखाई है, पूरा मामला लैलूंगा थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार लैलूंगा थाने में बसंत भोय 22 साल ने रिपोर्ट लिखाते हुए बताया की वह टटकेला गांव से बाइक से अपने एक अन्य साथी नेहरू भोय के साथ अपने मौसा के बेटा को लेने राजपुर जा रहा था। बाइक सवार युवक जब डगला पेट्रोल पंप में पेट्रोल से निकला ही था कि उसी समय दो युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया और गाड़ी की चाबी निकाल कर शराब पिलाने के बाद ही चाबी देने की बात कही गई। पीड़ित बसंत भोय ने बताया की शराब पीने के लिए उन युवकों को पैसा नहीं देने पर एक युवक बेल्ट उतार कर उससे और उसके साथी से गाली-गलौज करते हुए मारपीट की गई, साथ ही बाइक लेकर आरोपी फरार भी हो गए। पीड़ित युवक की रिपोर्ट के बाद लैलूंगा पुलिस अज्ञात आरोपियों की तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

जिले के विभिन्न ग्रामों में किया गया कोटपा एक्ट 2003 के तहत कार्रवाई

बालोद। नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामों में कोटपा एक्ट 2003 के तहत कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही औषधियों का नशे के रूप में दुरूपयोग के रोकथाम हेतु स्कूली एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को जागरूक भी किया जा रहा है। औषधि निरीक्षक खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बताया कि नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन छत्तीसगढ़ एवं कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार तथा सहायक औषधि नियंत्रक के मार्गदर्शन में जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम सिकोसा एवं बालोद विकासखण्ड के लाटाबोड़ में संचालित विभिन्न प्रतिष्ठानों में कोटपा एक्ट 2003 के तहत 25 चालानी कार्यवाही की गई।

शादी का झांसी देकर दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। शहर की सरकंडा थाना पुलिस ने युवती को शादी करने का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करने तथा गर्भवती होने पर दवा खिलाकर गर्भपात कराने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थीया ने दिनांक 27.08.2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके परिचित युवक यश यादव उर्फ बिट्टू ने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाकर दैहिक शोषण कर बालात्कार किया है, इस बीच गर्भवती होने पर दवा खिलाकर गर्भपात करा दिया जिसे शादी करने के लिए दबाव डालने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दिया है प्रार्थिया के उक्त रिपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया।

बिलासपुर में तीज-पर्व के दिन विवाहिता की संदिग्ध मौत, कमरे में फांसी पर लटकी मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में तीज पर्व के दिन पति-पत्नी में झगड़ा हुआ, जिसके बाद विवाहिता महिला की लाश कमरे में फंदे पर लटकती मिली। महिला के पिता का आरोप है कि उसके पति और ससुरालवालों ने उसे मारकर फांसी पर लटका दिया है। अब इसे आत्महत्या बताने की कोशिश की जा रही है। घटना सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है।

परिजनों का आरोप - ससुरालवालों ने मारकर फंदे पर लटकाया

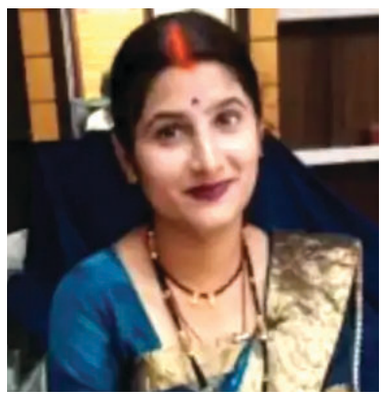

दरअसल, सरगांव क्षेत्र निवासी शिखा ठाकुर (24) पिता देव कुमार ठाकुर की शादी साल 2021 में हिंदू रीति-रिवाज के साथ तिफरा निवासी सुरेंद्र ठाकुर से हुई थी। सुरेंद्र मूलत: तखतपुर के बेलपान के पास बहुरता का रहने वाला है। लेकिन, उनके माता-पिता तिफरा के मन्नाडोल में रहते हैं। सुरेंद्र और उसकी पत्नी भी उनके साथ रहते थे। शादी के बाद सुरेंद्र खूब शराब पीने लगा। उसकी पत्नी उसे शराब पीने के लिए मना करती थी, जिसके कारण वो आए दिन मारपीट करता था।

तीज पर्व की रात कमरे में मिली लाश

बताया जा रहा है कि सुरेंद्र की पत्नी तीज पर्व पर इस बार अपने मायके नहीं गई थी। मंगलवार को उसका पति शराब पीकर घर पहुंचा। जबकि, पत्नी ने उसे तीज पर शराब पीने से मना किया था। इसी बात को लेकर शिखा और सुरेंद्र के बीच जमकर विवाद हुआ। जिसके बाद शिखा की लाश खाली कमरे में फांसी पर लटकती मिली।

पिता का सवाल- अचानक तबीयत कैसे बिगड़ी

मृतका के पिता देव कुमार ने बताया कि, उसके ससुरालवालों ने उन्हें उनकी बेटी की तबीयत खराब होने की जानकारी दी। साथ ही उसे सिम्स में भर्ती कराने की बात कही। इस पर देव कुमार ने कहा कि दो दिन पहले ही उसने बेटी शिखा से बात किया था। अचानक उसकी तबीयत कैसे बिगड़ गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ गया। लेकिन, सिम्स पहुंचने पर पता चला कि उसकी मौत हो गई है। उसने सुसाइड कर ली है। वह फांसी लगाई थी, जिस पर परिजन फंदे से उतारकर सिम्स लेकर आ गए।

पिता ने कहा-ससुराल वाले और पति करते थे प्रताड़ित

महिला के पिता देव कुमार का आरोप है कि, उनकी बेटी शिखा को लंबे समय से उसके पति सुरेन्द्र सिंह और ससुरालवाले प्रताड़ित कर रहे थे। कई बार उसके साथ मारपीट करने की बातें सामने आईं। लेकिन जब बेटी से पूछा जाता तो वह कहती थी कि सब ठीक है। वह अपने परिवार को परेशान नहीं करना चाहती थी, इसलिए सच नहीं बताती थी।

पिता ने आरोप लगाते हुए कहा कि, उनकी बेटी को ससुराल वालों और पति ने मिलकर मारपीट की और फिर फांसी पर लटका दिया। यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या का मामला है। उन्होंने प्रशासन से सख्त से जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। इधर, सिरगिट्टी थाना प्रभारी किशोर केंवट ने बताया कि, नवविवाहिता महिला की मौत की जानकारी मिली है।

महिला के फांसी लगाकर आत्महत्या करने की बात सामने आई है। मायके वाले हत्या का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया है। पीएम रिपोर्ट और उनके बयान के आधार पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

बालोद में भिक्षुक महिला के घर से 2.54 लाख चोरी मकान का एक हिस्सा बेचकर जुटाए थे पैसे

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में भाई के यहां तीजा मनाने गई एक बुजुर्ग महिला के घर चोरी हो गई। अज्ञात चोर मकान का ताला तोड़कर ढाई लाख रुपए पार कर ले गए। महिला भिक्षा मांगकर जीवन-यापन करती है। यह पैसे उसने घर का एक हिस्सा बेचकर जुटाई थी। चोरी की जानकारी तब हुई जब वह घर लौटी और ताला टूटा पाया। इसके बाद महिला ने पुलिस को सूचना दी।

मामला देवरी थाना क्षेत्र के ग्राम नाहंदा का है। यहां की रहने वाली अमृत वैष्णव 25 अगस्त की दोपहर करीब 3 बजे घर में ताला लगाकर पीपरखार गांव स्थित अपने भाई होम गिरी महाराज के घर तीजा मनाने गई थीं। जब वह वापस लौटीं तो घर का ताला टूटा मिला और पेटी में रखे 2 लाख 54 हजार रुपए गायब थे। ग्राम नाहंदा की बुजुर्ग अमृत वैष्णव का कोई संतान नहीं है। अपने जीवन-यापन के लिए वे गांवङ्कगांव घूमकर भिक्षा मांगती है। ग्रामीणों का कहना है कि इसी सहारे से उनका गुजर-बसर चलता है। महिला ने पुलिस को बताया कि भिक्षा से उन्होंने करीब 4 हजार रुपए जुटाए थे। इसके अलावा 29 जुलाई 2024 को उन्होंने अपने मकान का एक हिस्सा गांव के जितेंद्र पटेल को 2 लाख 50 हजार रुपए में बेचा था। अमृत वैष्णव ने यह रकम घर के एक कमरे में रखी पेटी के अंदर स्टील के डब्बे और थैले में सुरक्षित कर रखी थी। यह उनके अंतिम समय का सहारा था। लेकिन चोरों ने ताला तोड़कर पूरी नकदी पार कर दी।

इस मामले में देवरी थाना प्रभारी राकेश ठाकुर ने बताया कि, पीड़ित महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

भुइंया ऐप हैक कर बनाया फर्जी खसरा, एसबीआई से ले लिया 36 लाख का लोन, एक आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र में भुइंया ऐप से छेड़छाड़ कर फर्जी खसरा बनाकर एसबीआई से 36 लाख का लोन लेने वाले शातिर आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दरअसल शातिरों ने फर्जी तरीके से दस्तावेज तैयार किए और उसके आधार पर भारतीय स्टेट बैंक की शाखा नंदिनी नगर से लोन पास करा लिया।

मामला उजागर होने के बाद शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और अन्य की तलाश जारी है। मिली जानकारी के अनुसार थाना नंदिनी नगर क्षेत्रान्तर्गत पटवारी हल्का नम्बर 16 के ग्राम अछोटी एवं मुरमुंदा तहसील अहिवारा जिला दुर्ग के भुइंया साफ्टवेयर को हैक कर छेड़छाड़ कर फर्जी तरीके से भारतीय स्टेट बैंक शाखा नंदिनी नगर से 36 लाख रुपए का लोन लिया गया। इस मामले में दिए गए आवेदन में बताया गया कि अमरपुरी सुंदर नगर वार्ड सिलतरा रायपुर दिनू राम यादव पिता सूरज राम यादव व ग्राम अछोटी निवासी एसराम बंजारे ने आनलाईन राजस्व अभिलेख में छेड़छाड़ कर मूल खसरा नम्बर के रकबा में कूटरचित तरीके से नए खसरा नम्बर का बटांकन कर नया खसरा बनाया। इस मामले में शिकायत के बाद आरोपियों के खिलाफ धारा 318(4),338,336(3), 340(2),3(5) बी एन एस एवं 66(सी) आई टी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पता चला कि दिनू राम यादव ने 36 लाख रुपए निकाल कर उक्त रकम को विभिन्न खातो में हस्तांतरित कर दिया गया था। इसमें से 20 लाख 26 हजार 547 रुपए नन्द किशोर साहू निवासी सेक्टर 5 सड़क 33 क्वाटर नम्बर 4-बी भिलाई जिला दुर्ग के खाता में आया था। जिसे आरोपी नन्द किशोर साहू ने प्रायवेट कम्पनी भिलाई-दुर्ग फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी में इन्वेस्ट किया। पुलिस ने इस मामले में नन्द किशोर साहू को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मामले में मास्टर माइंट व उसके साथी की पुलिस को तलाश है।

डिजिटल अरेस्ट के लिए साइबर फ्रॉड सेंटरों को फर्जी सिम उपलब्ध कराने वाला आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। सायबर सेल राजनांदगांव एवं थाना बसंतपुर पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए डिजिटल अरेस्ट के मामले में इंटरनेशनल गिरोह के एक साइबर ठग को नागपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी फर्जी तरीके से मोबाईल सीम एक्टीवेट कर सायबर धोखाधड़ी हेतु कंबोडिया और दुबई स्थित कॉल सेंटर में सीम सप्लाई करता था।

बता दें कि दिनांक घटना 01.08.25 से 12.08.25 तक मोबाईल नंबर व्हाट्सअप यूजर द्वारा स्वंय को फर्जी तरीके से ईडी का अधिकारी बताते हुए पीडिता के बैंक खाता का उपयोग मनी लाउण्ड्रीग के लिए होना बताया व गिरफ्तरी व कस्डटी से बचने के लिए डिजेटल अरेस्ट हेतु लगातार विडियो कॉल से बने रहने का दवाब बनाया और आरोपियो के अन्य साथियो के द्वारा भी विडियों कॉल के दौरान पीडिता को प्रभावित करने लिए फर्जी तरीके से ईडी के डायरेक्टर तथा ईडी के जज बनकर बात किया गया। और कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए पीडिता के यूनियन बैंक के खाता क्रमांक में उपलब्ध 25 लाख रूपये को एचडीएफसी बैक खाता मे डिपोटिज करने कहा जिस पर पीडिता डर के कारण यूनियन बैंक जाकर आरोपियों के झांसे में आकर 25 लाख रूपये चेक के माध्यम से आरोपियो के द्वारा दिये गये बैक खाता में डिपोजिट कर दिया। प्रार्थिया का ठगी का एहसाह होने पश्चात रिपोर्ट दर्ज कराने पर थाना बसंतपुर में अपरध क्रमांक 363/25 धारा 318(4),319(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता 66(सी), 66(डी) आई0टी0एक्ट पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया। वर्तमान में बढ़ रहे सायबर अपराधों को देखते हुए कड़ी कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में सायबर सेल प्रभारी निरीक्षक विनय पम्मार एवं थाना प्रभारी बसंतपुर निरीक्षक एमन साहू के नेतृत्व में संयुक्त टीम गठित कर आरोपियों की पतातलाश करने हेतु टीम गठित किया गया। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्य के आधर पर नागपुर पहुंचकर, नागपुर निवासी महिला से पूछताछ किया गया जिस बताया कि ने जनवरी 2025 में उसके मोहल्ले के पास एयरटेल कंपनी का एजेंट एक व्यक्ति छतरी टैंट लगाकर मोबाईल सिम पोर्ट करने व फ्री में रिचार्ज करने के बहाने उसके आधार कार्ड, फोटो आदि व्यक्तिगत जानकारी का दुरूप्योग कर उसकी जानकारी के बगैर उसके नाम पर सिम एक्टिव कर अपने पास रख लेना बताई। पतासाजी के दौरान एयरटेल पीओएस एजेंट गुणवंत रामराव मते, संचालक गुनू मोबाईल की संलिप्तता पाई गई। उसने अपराध स्वीकार किया कि उसने फर्जी सिम सक्रिय कर आरोपी द्वारा बेचे गये मोबाईल सीम का दुरूपयोग सायबर धोखाधड़ी हेतु कंबोडिया और दुबई स्थित कॉल सेंटर में किया जाता था उपयोग, आरोपी द्वारा अपने अन्या साथियों को 1500 रुपये प्रति सीम कमीशन में बेचा था।

सार्वजनक स्थानों पर शराब पीने वालों पर कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिले की थाना - सोमनी पुलिस ने शराब पीने की की सुविधा उपलब्ध कराने वाले ढाबा संचालक पर कार्यवाही की गई है। वहीं शराब के नशे में उत्पात मचाने वाले आरोपी तथा सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले 05 लोगो पर कार्यवाही की है। बता दें कि पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहूल देव शर्मा के मार्गदर्शन व नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में अपराध के रोकथाम व नियंत्रण तथा गणेश उत्सव पर्व में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु असमाजिक तत्वो के खिलाफसतत अभियान कार्यवाही किया जा रहा है, चलाए जा रहे सतत अभियान के तहत जलशा ढाबा देवादा के संचालक द्वारा अपने पार्किंग स्थल में शराब पीने की सुविधा उपलब्ध कराने पर आरोपी ढाबा संचालक रउफ खान पिता मोहम्मद इब्राहिम खान उम्र 41 साल निवास तितुरडीह थाना मोहन नगर दुर्ग छग के विरूद्ध धारा 36(ग) आबकारी एक्ट की कार्यवाही किया गया, ग्राम देवादा हमारा ढाबा के सामने आम जगह पर शराब के नशे में उत्पात मचा रहे ढाबा संचालक आरोपी दीपक यादव पिता अशोक यादव उम्र 32 साल निवासी देवादा थाना सेमनी राजनांदगांव के विरूद्ध धारा 36(च)2 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया।

जेल में एचआईवी-संक्रमित हुआ तो मंदिरों में करने लगा चोरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने 30 से ज्यादा मंदिरों में चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में 30 से ज्यादा मंदिरों में चोरी के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शख्स केवल मंदिरों को ही निशाना बनाता था। इसकी वजह सामने आई तो पुलिस भी हैरान रह गई।

आरोपी ने बताया कि 2011-12 में मारपीट के मामले में वह जेल में था। इस दौरान वह ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस से संक्रमित हो गया। इसके लिए उसने भगवान को जिम्मेदार माना। जेल से छूटने के बाद उसने मंदिरों में चोरी करना शुरू कर दिया। इन 10 सालों में उसने दुर्ग-भिलाई जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के 30 से ज्यादा मंदिरों के ताले तोड़े। इस दौरान चोरी करने से पहले वह भगवान को प्रणाम करता, फिर चोरी के बाद हाथ जोड़कर बाहर निकलता। आरोपी कभी भी सोने-चांदी या गहने नहीं चुराता था, क्योंकि उसे पकड़े जाने का डर था। चोरी का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।

बता दें 23-24 अगस्त की रात नेवई थाना क्षेत्र के जैन मंदिर में चोरी हुई थी। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और त्रिनयन एप की मदद से पुलिस ने सागर उपाध्याय (परिवर्तित नाम) को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने जुर्म स्वीकार किया। आरोपी के पास से 1282 रुपए के सिक्के और स्कूटी बरामद किया गया है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार दान पेटी में करीब 60 हजार रुपए थे।

जानकारी के मुताबिक आरोपी के खिलाफ अलग-अलग थानों में चोरी के 10 से ज्यादा केस दर्ज है। पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी अब तक नेवई, सुपेला, पद्मनाभपुर, भिलाई भट्ठी और भिलाई नगर थाना क्षेत्र में 30 से अधिक मंदिरों में वारदात को अंजाम दे चुका है। वह हर वारदात से पहले मंदिर की रेकी करता था। फिर कपड़े बदलकर पैदल मंदिर जाता और ताले तोड़कर दान पेटी से कैश और सिक्के चुरा लेता था।

वारदात के बाद दोबारा कपड़े बदलकर अपनी स्कूटी से गलियों के रास्ते निकल जाता, ताकि कैमरों से बच सके। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ के चोरी की धारा के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। इस मामले में सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि जेल में रहने के दौरान वह HIV से संक्रमित हो गया था, जिसके लिए वह भगवान को जिम्मेदार मानने लगा। तभी से उसने मंदिरों को ही निशाना बनाना शुरू कर दिया।

मवेशी तस्करीः चार दिन में 25 गौवंशों को बचाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। मवेशी तस्करी रोकने जशपुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन शंखनाद के तहत जशपुर पुलिस ने बीते चार दिनों में गौ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। थाना लोदाम, चौकी पंडरापाठ और चौकी करडेगा क्षेत्र से कुल 25 गौवंशों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया गया है। इस दौरान पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त दो पिकअप और एक स्कॉर्पियो वाहन को जब्त करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

24 अगस्त को मुखबिर की सूचना पर लोदाम पुलिस ने ग्राम जामटोली में नाकाबंदी की। यहां संदिग्ध पिकअप वाहन को पीछा करने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें 14 गौवंश ठूंसकर भरे मिले जिन्हें पुलिस ने सकुशल बरामद किया। इसी तरह 27 अगस्त को लोदाम पुलिस ने ग्राम पोड़ी के पास एक स्कॉर्पियो से चार गौवंश बरामद किए। स्कॉर्पियो की पैसेंजर सीट निकालकर उसमें गौवंश भरे गए थे। आरोपी मौके से फरार हो गए।

दक्षिण कोरिया के कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन से मिले सीएम साय, छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास पर की चर्चा

निवेश, तकनीकी सहयोग और स्किलिंग के क्षेत्र में संभावनाओं पर रखी अपनी बात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने दक्षिण कोरिया के दौरे पर लगातार नवाचारों को बढ़ावा दे रहे हैं। गुरुवार को मुख्यमंत्री साय ने सियोल में दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े व्यापार संगठन कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन के चेयरमैन जिन सिक युन और वाइस प्रेसिडेंट किम की ह्यून से मुलाकात की। 77,000 से अधिक सदस्यों वाला यह संगठन एशिया का अग्रणी व्यापारिक मंच है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति 2024-30, प्राकृतिक संसाधनों और कुशल मानव संसाधन की ताकत को रेखांकित करते हुए निवेश, तकनीकी हस्तांतरण और स्किलिंग के क्षेत्र में संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि दक्षिण कोरिया के साथ हमारे संबंध केवल व्यापारिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक भी हैं। आज के इस संवाद से छत्तीसगढ़ और कोरिया के बीच निवेश, तकनीकी सहयोग और कौशल विकास के नए द्वार खुलेंगे। इससे छत्तीसगढ़ के युवाओं को आधुनिक उद्योगों में अवसर प्राप्त होंगे और प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार निवेशकों को सुगम वातावरण, त्वरित स्वीकृतियाँ और आवश्यक आधारभूत संरचना उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि KITA के साथ यह सहयोग छत्तीसगढ़ को वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा।

KITA के चेयरमैन निवेश पर दिखाई रुचि

बैठक के दौरान KITA के चेयरमैन जिन सिक युन और वाइस प्रेसिडेंट किम की ह्यून ने भी छत्तीसगढ़ की निवेश-अनुकूल नीतियों और संसाधनों में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कोरियाई कंपनियाँ छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं और आने वाले समय में साझेदारी के ठोस कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस सहयोग से छत्तीसगढ़ के किसानों, श्रमिकों और स्थानीय उद्यमियों को प्रत्यक्ष लाभ होगा। खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, स्टील और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश से रोजगार के हजारों अवसर सृजित होंगे। साथ ही, तकनीकी हस्तांतरण से स्थानीय उद्योगों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी।

यहां का युवा वर्ग मेहनती और कुशल

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ न केवल प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न है, बल्कि यहाँ का युवा वर्ग मेहनती और कुशल है। कोरियाई कंपनियों के साथ जुड़कर उन्हें स्किलिंग और तकनीकी प्रशिक्षण के नए अवसर मिलेंगे, जिससे प्रदेश की मानव संसाधन क्षमता वैश्विक स्तर पर मजबूत होगी।यह साझेदारी प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी और आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी का आदर्श उदाहरण बनेगा।

निवेशकों को हर स्तर पर सहयोग करेगी छत्तीसगढ़ सरकार

मुख्यमंत्री साय ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार सिंगल-विंडो क्लीयरेंस, व्यवसाय सुगमता और उद्योग-अनुकूल नीतियों के माध्यम से प्रत्येक निवेशक को हर स्तर पर सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज खनिज, ऊर्जा, इस्पात, खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और आईटी-स्टार्टअप्स जैसे क्षेत्रों में वैश्विक निवेश का स्वागत कर रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी रेखांकित किया कि छत्तीसगढ़ का विकास मॉडल केवल औद्योगिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं को रोजगार, महिलाओं को स्वावलंबन और किसानों को उपज का बेहतर मूल्य दिलाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक निवेश के साथ-साथ सामाजिक सशक्तिकरण भी हमारी प्राथमिकता है।

सीएम साय ने दी छत्तीसगढ़ में निवेश की जानकारी

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन और निवेशकों के समक्ष छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी प्रो-एक्टिव एवं विकासोन्मुख औद्योगिक नीति 2024-30, प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों और प्रशिक्षित जनशक्ति के बल पर वैश्विक निवेश और औद्योगिक सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार है।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कोरियाई ब्रांड हर भारतीय घर का हिस्सा हैं। एलजी, सैमसंग, हुंडई जैसी कंपनियां गांव-गांव तक पहुंच चुकी हैं। छत्तीसगढ़ में प्रचुर मात्रा में जल, ऊर्जा, लौह अयस्क व स्टील और बेहतरीन कनेक्टिविटी उपलब्ध है। ये संसाधन दक्षिण कोरियाई निवेशकों के लिए अवसरों के नए द्वार खोलते हैं।

साझेदारी से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने भारत के राजदूत अमित कुमार से भारतीय दूतावास, सियोल में मुलाक़ात कर छत्तीसगढ़ में निवेश संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने स्टील और खनिज से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स व फूड प्रोसेसिंग तक, मजबूत द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया है। मुख्यमंत्री साय ने दक्षिण कोरिया और छत्तीसगढ़ के बीच सांस्कृतिक एवं कारोबारी रिश्तों को रेखांकित करते हुए कहा कि इन साझेदारियों से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, अनुसंधान एवं नवाचार और उच्च मूल्य रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। उन्होंने कोरियाई निवेशकों से आग्रह किया कि वे छत्तीसगढ़ को अपने नए औद्योगिक निवेश स्थल के रूप में चुनें और साझा समृद्धि की इस यात्रा का हिस्सा बनें।

कैदियों ने 'पुष्प की अभिलाषा' का किया सामूहिक पाठ

उप मुख्यमंत्री अरुण साव कविता पाठ समारोह में हुए शामिल, कहा कविता से देश और समाज के लिए काम करने की मिलती है प्रेरणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं सुप्रसिद्ध कवि स्वर्गीय माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा रचित कालजयी कविता 'पुष्प की अभिलाषा' का आज केन्द्रीय जेल बिलासपुर में सामूहिक पाठ किया गया। स्वर्गीय श्री चतुर्वेदी ने बिलासपुर केन्द्रीय जेल में निरूद्ध रहने के दौरान 18 फरवरी 1922 को इस देशभक्तिपूर्ण काव्य की रचना की थी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव की मौजूदगी में कैदियों ने इसका सामूहिक पाठ किया। केन्द्रीय जेल प्रशासन द्वारा एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र समूह के सहयोग से इस प्रेरणादायी कविता पाठ समारोह का आयोजन किया गया था। विधायक सुशांत शुक्ला, वरिष्ठ साहित्यकार सतीश जायसवाल तथा संपादक एवं कवि देवेन्द्र कुमार सहित जेल प्रशासन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कैदी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने समारोह में 'एक भारतीय आत्मा' के नाम से मशहूर साहित्यकार स्वर्गीय माखनलाल चतुर्वेदी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बिलासपुर के इस ऐतिहासिक जेल में देशभक्त साहित्यकार माखनलाल चतुर्वेदी के प्रति श्रद्धा एवं आदरभाव व्यक्त करने के लिए एकत्र हुए हैं। देश के लिए बलिदान का क्या महत्व है, इस कालजयी रचना के जरिए बताया गया है। उन्होंने कहा कि एक फूल की इच्छा है कि वह सम्राट अथवा देवता के सिर पर नहीं, बल्कि उस मार्ग में सेनानियों के पैरों तले कुचला जाना मंजूर करता है जिस पथ से होकर सेनानी देश को आजाद करने की लड़ाई में आगे बढ़ें। यह देश के लिए महती त्याग और बलिदान की भावना है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री चतुर्वेदी की आजादी की लड़ाई में बड़ी भूमिका थी। देशभक्ति की भावना उनमें कूट-कूट कर भरी थी। वे 5 जुलाई 1921 से 1 मार्च 1922 तक सात माह 27 दिन इस जेल में निरूद्ध रहे। इसी जेल में रहकर उन्होंने 18 फरवरी 2022 को यह कालजयी रचना सेनानियों को सौंपी थी। बिलासपुर के साथ ही संपूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए यह कविता बड़ी धरोहर है। इससे हम सबको अच्छा काम करने की प्रेरणा मिलेगी।

श्री साव ने कहा कि श्री माखनलाल चतुर्वेदी प्रकाण्ड विद्वान और देशभक्त थे। 'एक भारतीय आत्मा' के नाम से उन्हें जाना जाता है। देश की आजादी के बाद उन्हें प्रथम साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया। 'पुष्प की अभिलाषा' शीर्षक से रचित कविता का एक-एक शब्द देशभक्ति के भावों से भरा हुआ है। यह हम सबको देश और समाज के लिए समर्पण भाव से काम करने के लिए प्रेरित करता है। श्री दीपक सिंह, श्री मोहित जायसवाल और जेल अधीक्षक श्री खोमेश मंडावी भी समारोह में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बढ़ाया मदद का हाथ

गंभीर बीमारियों से जूझ रहे 72 मरीजों को मिली 2.85 करोड़ की विशेष सहायता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जीवन में किसी एक सदस्य की गंभीर बीमारी पूरे परिवार को संकट में डाल देती है। इलाज के खर्चे जब लाखों में पहुँच जाते हैं तो आमजन के लिए यह बोझ असहनीय हो जाता है। ऐसे समय में सरकार द्वारा संचालित आयुष्मान भारत योजना बड़ी राहत देती है, जिसके तहत 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क इलाज संभव है, लेकिन जब बीमारी का खर्च इस सीमा से भी अधिक हो जाता है, तब मरीज और परिवार चिंता में घिर जाते हैं।

इसी विकट परिस्थिति में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संवेदनशील पहल करते हुए मदद का हाथ आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना के तहत जशपुर जिले के 72 गंभीर रूप से बीमार मरीजों के उपचार के लिए 2 करोड़ 85 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। यह राशि सीधे संबंधित

अस्पताल के बैंक खाते में चेक या एनईएफटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई है।

इस राशि से मरीजों को कैंसर, बोन मैरो ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट जैसे जटिल व महंगे उपचार कराने में मदद मिली। समय पर सहायता पहुँचने से मरीजों का जीवन सुरक्षित हो सका और उनके परिवारों को भी बड़ी राहत मिली। मरीजों और परिजनों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के इस कदम के लिए आभार जताया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी. एस. जात्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित आवेदन पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करना होता है। आवेदन पत्र सीएमएचओ कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ मरीज का आधार कार्ड,बीमारी से संबंधित चिकित्सकीय दस्तावेज,जिस अस्पताल में उपचार कराया जाना है, वहां से जारी प्राकलन (स्टिमेट) रिपोर्ट देना जरूरी है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आदिवासी बहुल जशपुर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और सुधार के लिए विशेष प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की गई है, जिसके लिए बजट भी जारी कर दिया गया है। जमीन का चयन हो चुका है और कॉलेज की स्थापना की प्रक्रिया तेज़ी से आगे बढ़ रही है। इसके अलावा अस्पतालों में भौतिक संसाधनों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं।

भारत की विविधता ही हमारी ताकत - राज्यपाल रमेन डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत की आत्मा उसकी विविधता में बसती है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान इसी एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक है। राजभवन में गुरूवार को 9 राज्यों का स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। राज्यपाल रमेन डेका ने बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, गोवा, तेलंगाना, मिजोरम, सिक्किम और हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि यह पहल केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भावनात्मक एकीकरण का माध्यम है।

केन्द्र सरकार के एक भारत-श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक दूसरे का स्थापना दिवस मनाते है। इसी कड़ी में आज राजभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में इन राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल डेका ने कहा कि भाषाओं, वेशभूषा, खान-पान, कला और परंपराओं में भिन्नता होने के बावजूद हमारी आत्मा एक है। यही विविधता भारत को विश्व में अद्वितीय बनाती है। आज जिन राज्यों का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है, वे भारत की इस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को और अधिक उजागर करते हैं। राज्यपाल ने बिहार को ज्ञान की भूमि, गुजरात को व्यापार और उद्योग का अग्रणी, महाराष्ट्र को वीरता व संत परंपरा का प्रतीक, पश्चिम बंगाल को साहित्य और विज्ञान का केंद्र बताया। उन्होंने गोवा को पर्यटन की राजधानी, तेलंगाना को तकनीकी विकास का हब, मिजोरम व सिक्किम को पूर्वोत्तर की शान और हिमाचल प्रदेश को देवभूमि और प्राकृतिक सौंदर्य का प्रतीक बताया।

राज्यपाल ने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस अभियान से जुड़ें, अन्य राज्यों की संस्कृति को समझें और राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। अंत में उन्होंने सभी राज्यों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत की एकता और अखंडता ही हमें आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रेरित करती है।

कार्यक्रम को मिजोरम राज्य की प्रतिनिधि कुमारी बेलिंदा रियांग, बिहार के प्रतिनिधि निमेश कुमार झा, गुजरात के राजेश चौहान, महाराष्ट्र के अजय मधुकर काले, गोवा के सेवियो डिकोस्टा, तेलंगाना की गुरिजला उषा, पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधि दीप्तेश चटर्जी और हिमाचल प्रदेश के प्रतिनिधि पवान सिंह ने अपने राज्यों के विशेषताओं, परंपरा, संस्कृति पर प्रकाश डाला और कहा कि छत्तीसगढ़ को वे अपना घर मानते हैं।

कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सभी राज्यों की संस्कृति एवं लोक परंपरा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। पश्चिम बंगाल के लोक-नृत्य घिंची, गुजरात के गरबा, महाराष्ट्र के लावणी सहित बिहार, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, गोवा, तेलंगाना एवं मिजोरम के लोक नृत्यों ने अतिथियों का मन मोह लिया। वनवासी आश्रम के बच्चों ने भी सामूहिक गीत का प्रदर्शन किया।

विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक पुरंदर मिश्रा, रायपुर की महापौर मीनल चौबे, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर प्रसन्ना सहित अन्य अधिकारी एवं इन सभी राज्यों के युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950